राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 238
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
बुधवार 23 जुलाई 2025
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा प्राधिकरण 17 बिल्डरों से वसूलेगा बकाया 7 हजार करोड़
पेज 4 सपा नेता को कॉलर पकड़कर पीटा
पेज 6 आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10

संक्षिप्त खबरें

गोल्डन टेंपल को 9 धमकियों के बाद एयरपोर्ट को थ्रेट

अमृतसर। पंजाब में गोल्डन टेंपल को 9 धमकी भरी ई-मेल्स के बाद अब शरारती तत्वों ने अमृतसर एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। बीते दिन अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक ई-मेल भेजी गई। जिसमें बम से उड़ाने की बात कही गई। हैरानी की बात है कि इस ई-मेल का पैटर्न भी वैसा ही था, जैसा गोल्डन टेंपल को भेजी गई धमकियों का था। स्पष्ट है कि ये भी वही ग्रुप है, जो पहले गोल्डन टेंपल को थ्रेट भेज रहा था। ई-मेल मिलने के बाद अमृतसर एयरपोर्ट पर सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

एअर इंडिया फ्लाइट के पिछले हिस्से में आग लगी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक प्लेन के पिछले हिस्से के ऑक्सिलरी पावर यूनिट में आग लग गई। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy.com के मुताबिक यह प्लेन मंगलवार दोपहर 12: 12 बजे हॉन्गकॉन्ग से दिल्ली आया था। विमान के सभी यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। ऑक्सिलरी पावर यूनिट प्लेन में सबसे पीछे उसकी टेल में होती है। वहां आग लगने से प्लेन की बॉडी को नुकसान पहुंच सकता है। यह प्लेन के इंजन बंद होने पर भी कंट्रोल, लाइट्स और एसी को ऑन रखती है। आमतौर पर टर्मिनल पर खड़े रहने के दौरान प्लेन के मेन इंजन बंद रहते हैं, लेकिन ऑक्सिलरी पावर यूनिट से बिजली सप्लाई की जाती है। इससे ईंधन की खपत कम होती है।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में लैंडस्लाइड, 5 की मौत

एमपी के कान्हा टाइगर रिजर्व में बाढ़ में बहे बाघ की जान गई; उत्तराखंड-महाराष्ट्र में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सोमवार को बारिश और लैंडस्लाइड से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 साल का एक बच्चा भी है। लैंडस्लाइड की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग घायल भी हुए हैं।

जम्मू के रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन में 70 साल के तीर्थयात्री की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। वहीं, हिमाचल के चंबा में घर के ऊपर चट्टान गिरने से नवविवाहित जोड़े की मौत हो गई। राज्य की 401 सड़कें बंद हैं।

इधर, मध्य प्रदेश के मंडला जिले में कान्हा टाइगर रिजर्व में बाढ़ में बहे बाघ की मौत हो गई। बाघ को बंजर नदी में बहते हुए देखा गया था। जबलपुर समेत प्रदेश के 12 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और तेलंगाना में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार के 27 और राजस्थान के 4 जिलों में तेज बारिश हो सकती है।

बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में 24 जुलाई के आसपास एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में देश के कई राज्यों में फिर से तेज बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी बोला- 24 से 28 जुलाई तक दक्षिण बंगाल में भारी बारिश

मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर लो प्नेशर बनने की संभावना के कारण 24 से 28 जुलाई तक दक्षिण बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। बुधवार तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बनने की संभावना है और इसके प्रभाव से अगले दो दिनों में उसी क्षेत्र में लो प्रेशर एरिया बनने की उम्मीद है। दक्षिण 24 परगना, झारग्राम, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुरा और पुरुलिया जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

जम्मू में लगातार बारिश; राजौरी में सेना के कैंपी की दीवार ढही

मंगलवार को लगातार दूसरे दिन जम्मू के कई इलाकों में हुई भारी बारिश के बीच राजौरी जिले में एक सेना शिविर की 10 फुट ऊंची चारदीवारी ढहने से तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुआ और नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया।

2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस, महाराष्ट्र सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था; धमाकों में 189 मौतें हुई थीं

मुंबई। 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में अब महाराष्ट्र सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। शीर्ष कोर्ट में 24 जुलाई को सुनवाई होगी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की अपील की थी।
मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसीक्यूशन, यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे।
हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वॉन्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए।
कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। इनमें एहतेशाम सिद्दीकी शामिल हैं, जिसे 2015 में एक निचली अदालत ने इस मामले में मौत की सजा सुनाई थी। दूसरा आरोपी, मोहम्मद अली आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि 12 लोगों में शामिल नवीद खान अभी नागपुर जेल में ही रहेगा, क्योंकि वह हत्या के प्रयास के एक मामले में विचाराधीन कैदी है।

सीरियल ब्लास्ट में 189 लोग मारे गए थे

11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।

चंदन मिश्रा हत्याकांड के 2 शूटर मुठभेड़ में घायल

आरा(भोजपुर)। बिहार के आरा में स्पेशल टास्क फोर्स और गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या से जुड़े कुछ आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें दो बदमाशों को गोली लगी है। एक को गिरफ्तार किया गया है। हथियार भी बरामद किए गए हैं। एसटीएफ को गैंगस्टर मर्डर केस से जुड़े 3 अपराधियों बलवंत, रवि रंजन और अभिषेक के बिहियां थाना क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी। टीम ने मंगलवार सुबह 5 बजे कटिया रोड के पास उन्हें घेर लिया। बदमाशों को सरेंडर करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बलवंत और रवि रंजन को पैर में गोली लगी है। दोनों को आरा सदर अस्पताल भेजा गया है। घायलों को पटना रेफर किया गया है। अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके पास से दो पिस्टल, एक देसी कट्टा, दो मैगजीन और 4 कारतूस बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में एसटीएफ के 2 जवान रोहित कुमार और उत्तम कुमार भी जख्मी हुए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार चंदन मिश्रा हत्याकांड के पीछे संगठित गिरोह का हाथ है। जिसकी तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही थी।

सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ाया 28 किलो सोना

सूरत। गुजरात के सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोने की एक बड़ी तस्करी की कोशिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया। रविवार की रात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की विजिलेंस टीम ने दुबई से सूरत आई एयर इंडिया की फ्लाइट आईएक्स-174 से उतरे दो यात्रियों की संदिग्ध गतिविधि देखी तो उन्हें रोक लिया। उनके सामान और शरीर की जांच के बाद पेस्ट के रूप में लगभग 28 किलो सोना बरामद किया गया। सूरत एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ी गई ये सबसे बड़ी सोने की खेप है। आरोपी उस समय पकड़े गए जब रात करीब 10 बजे दुबई की फ्लाइट आई। सीआईएसएफ की विजिलेंस यूनिट हवाई अड्डे के इंटरनेशनल आगमन क्षेत्र में सुरक्षा जांच में जुटी थी। इसी दौरान इन दो यात्रियों के चलने का तरीका, बातचीत की शैली और सुरक्षा जांच से बचने की कोशिशों से अधिकारियों को शक हुआ। उसके बाद सीआईएसएफ के जवानों ने दोनों को रोक लिया और कस्टम अधिकारियों के सहयोग से उनकी गहन तलाशी ली गई।

महिला ने एलिमनी में 12 करोड़ रुपए, बीएमडब्लू कार मांगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- खुद कमाकर खाइए, आप भी पढ़ी-लिखी हैं; सिर्फ 18 महीने की शादी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के एक मामले में कहा कि अगर महिला काफी पढ़ी-लिखी है, तो उसे एलिमनी मांगने की बजाय खुद कमाकर खाना चाहिए। महिला ने मुंबई में एक फ्लैट, 12 करोड़ रुपए का भरण-पोषण और एक महंगी बीएमडब्लू कार की मांग की थी।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बी आर गवई की बेंच ने कहा-

आपकी शादी सिर्फ 18 महीने चली और आप हर महीने 1 करोड़ मांग रही हैं। आप इतनी पढ़ी-लिखी हैं, फिर नौकरी क्यों नहीं करतीं? एक उच्च शिक्षित महिला बेकार नहीं बैठ सकती।

आपको अपने लिए कुछ मांगना नहीं चाहिए बल्कि खुद कमाकर खाना चाहिए।

सीजेआई ने महिला से कहा कि आप एक फ्लैट से संतुष्ट हो जाइए या 4 करोड़ रुपए लेकर एक अच्छी नौकरी ढूंढिए। कोर्ट ने फ्लैट या 4 करोड़ लेकर समझौते का प्रस्ताव रखने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही, मामले को रद्द करने का भी आदेश दिया।

महिला बोली- पति बहुत अमीर, मैं एक बच्चा चाहती थी

पत्नी ने अपना पक्ष रखते हुए मुंबई के कल्पतरु कॉम्प्लेक्स में एक फ्लैट की मांग की थी।

महिला ने कोर्ट को बताया कि उसका पति सिटी बैंक में मैनेजर के रूप में काम करता है और उसका दो बिजनेस भी है। महिला ने कहा, मेरा पति बहुत अमीर है।

महिला ने आरोप लगाया, मेरे पति ने यह दावा करते हुए तलाक की मांग की कि मैं सिजोफ्रेनिया (मानसिक बीमारी) से पीड़ित हूं। क्या मैं सिजोफ्रेनिया से पीड़ित दिखती हूं, माय लॉर्ड?

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति ने उसे उसकी पिछली नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया।

महिला ने कहा, मैं एक बच्चा चाहती थी, लेकिन उसने मुझे बच्चा नहीं दिया। मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज है, जिससे मुझे कहीं नौकरी नहीं मिलेगी। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति ने उसके वकील को भी भड़काया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

संसद भी नहीं पहुंचे, विदाई समारोह में शामिल नहीं होंगे; विपक्ष बोला- वजह स्वास्थ्य नहीं, कुछ और

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर कर लिया। राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने यह जानकारी दी। दूसरी तरफ, राज्यसभा के उपसभापति और जेडीयू सांसद हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। हरिवंश ने ही कल सुबह 11 बजे जगदीप धनखड़ की जगह, राज्यसभा की कार्यवाही शुरू की थी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे पहले खबर आई थी कि धनखड़ विदाई समारोह में भी शामिल नहीं होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं धनखड़ के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

धनखड़ 15 महीने रहने के बाद सरकारी बंगला छोड़ेंगे

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ सरकारी बंगले के हकदार हैं। धनखड़ पिछले साल अप्रैल में संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड स्थित नवनिर्मित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में शिफ्ट हुए थे। उपराष्ट्रपति के आवास और कार्यालय वाले वीपी एन्क्लेव का निर्माण सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत किया गया था। लगभग 15 महीने तक वीपी एन्क्लेव में रहने के बाद पूर्व उपराष्ट्रपति को इसे छोड़ना होगा।

हैप्पी मॉर्निंग

मरीज (डॉक्टर से)- उम्र लम्बी करने का कोई तरीका बताइये डॉक्टर- शादी कर लो मरीज- इससे उम्र लम्बी हो जाएगी डॉक्टर- नहीं, पर दो फायदे जरूर होंगे, पहला- लम्बी जिंदगी की चाहत खत्म हो जाएगी दूसरा- बची जिंदगी लम्बी लगने लगेगी......

शायरी

समझने ही नहीं देती सियासत
हम को सच्चाई
कभी चेहरा नहीं मिलता कभी
दर्पन नहीं मिलता

अर्थसार

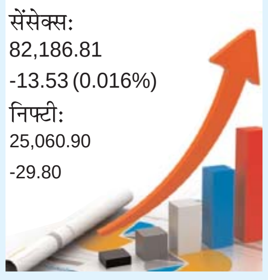

सेंसेक्स:
82,186.81
-13.53 (0.016%)
निफ्टी:
25,060.90
-29.80

मौसम

अधिकतम : 31 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूयोदय गुरुवार : 5 : 43
सूर्यास्त बुधवार : 7 : 20

साइबर अपराधियों ने किया 22 हजार करोड़ का नुकसान

सरकार ने संसद में बताए हैरान करने वाले आंकड़े

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में बताया कि नागरिकों ने 2024 में साइबर अपराधियों को 22,845.73 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान उठाया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 206 प्रतिशत की चौंकाने वाली वृद्धि है। गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को एक लिखित प्रश्न के उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली के अनुसार, साइबर धोखाधड़ी के कारण नागरिकों की ओर से उठाए गए कुल नुकसान की राशि 2024 में 22,845.73 करोड़ रुपये थी, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 7,465.18 करोड़ रुपये थी।

कुमार ने कहा कि 2024 में एनसीआरपी और सीएफसीएफआरएमएस पर साइबर अपराधियों की ओर से किए गए वित्तीय धोखाधड़ी के 36,37,288 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 24,42,978 थी। मंत्री की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 2022 में एनसीआरपी पर 10,29,026 साइबर अपराध दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 127.44 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं।

एअर इंडिया को फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम गड़बड़ नहीं मिला

एएआरईबी की प्राइमरी रिपोर्ट में दावा था- प्लेन क्रैश से पहले फ्यूल स्विच बंद किए गए थे

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने बोइंग 787 और 737 प्लेन के फ्यूल कंट्रोल स्विच के लॉकिंग सिस्टम की जांच पूरी कर ली है। एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि इसमें कोई समस्या नहीं थी। दरअसल, अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने अपनी प्राइमरी रिपोर्ट में दावा किया था कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश से पहले फ्यूल स्विच बंद कर दिए गए थे।
इसके बाद एविएशन सिक्योरिटी रेग्युलेटर ने 12 जुलाई को एयरलाइनों को अपने विमानों में फ्यूल स्विच सिस्टम की जांच करने का निर्देश दिया था। 21 जुलाई को रिपोर्ट मांगी थी।
बोइंग 787, एअर इंडिया के बेड़े का हिस्सा है। बी 737 का संचालन इसकी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस करती है। इनके अलावा इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा के पास भी बोइंग हैं।

विरोध प्रदर्शन

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव, राजद सांसद मीसा भारती, डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि और अन्य इंडिया ब्लॉक सांसदों के साथ नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

टैक्स छूट — ट्रिब्यूनल में याचिका खारिज, 6 साल पहले पार्टी ने जीरो इनकम बताकर टैक्स भरा था

कांग्रेस को 199 करोड़ डोनेशन पर टैक्स से राहत नहीं

नई दिल्ली। इनकम टैक्स अपील ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को कांग्रेस को डोनेशन में मिले 199 करोड़ रुपए पर टैक्स में छूट देने से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। ट्रिब्यूनल ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान की सीमा के उल्लंघन को इसकी वजह बताया।
दो सदस्यीय बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 2 फरवरी, 2019 को दाखिल किया गया कांग्रेस का टैक्स रिटर्न, उसे छूट के लिए योग्य बनाने के लिए निर्धारित तिथि के भीतर नहीं है। ट्रिब्यूनल ने टैक्स अफसरों के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को डोनेशन के रुपयों पर भी टैक्स देना होगा। दरअसल, कांग्रेस ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में धारा 139(1) के तहत 2 फरवरी, 2019 को इनकम टैक्स रिटर्न भरा था। हालांकि टैक्स भरने की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2018 थी। कांग्रेस ने टैक्स रिटर्न में धारा 13ए के तहत डोनेशन में मिले 199.15 करोड़ रुपए की छूट का दावा करने के बाद अपनी इनकम जीरो बताई थी।

कांग्रेस को डोनेशन में 14.49 लाख रुपए कैश भी मिले थे

सितंबर 2019 में, टैक्स अफसर को जांच के दौरान पता चला कि कांग्रेस ने डोनेशन के तौर पर 14.49 लाख रुपए कैश स्वीकार किए थे। इसमें से कई डोनर ने 2 हजार रुपए से ज्यादा दान दिया था, जो वित्त अधिनियम, 2017 के तहत तय लिमिट से ज्यादा थे। 2000 रुपए से ज्यादा के दान चेक या बैंक ट्रांसफर जैसे बैंकिंग माध्यमों से ही किया जाता है।
इसके चलते, इनकम टैक्स ने कांग्रेस को मिले डोनेशन की पूरी रकम पर टैक्स लगाया।
जब कांग्रेस ने धारा 13ए के तहत छूट मांगी, तो आयकर विभाग ने 2021 में पार्टी के दावे को खारिज कर दिया। मार्च 2023 में, इनकम टैक्स के कमिश्नर (अपील) ने इस फैसले को बरकरार रखा।
इसके बाद कांग्रेस ने अपील ट्रिब्यूनल में याचिका लगाई थी। कांग्रेस ने आयकर अधिनियम की धारा 139(4) के तहत राहत की मांग की, जिसके तहत देरी से टैक्स दाखिल करने की इजाजत दी जानी चाहिए। हालांकि आईटीएटी ने कांग्रेस को राहत देने से इनकार कर दिया।

संपादकीय

कांवड़ के कंधे पर तंत्र — और संविधान की चुप्पी

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

'श्रद्धा अगर अहंकार बन जाए, और धर्म अगर कानून से ऊपर हो जाए — तो समझ लीजिए, आस्था नहीं, अराजकता का यज्ञ चल रहा है।'

यह कोई सामान्य दृश्य नहीं था।

उत्तर भारत की सड़कों पर कांवड़िए अब डीजे पर नाचते-गाते श्रद्धालु नहीं, बल्कि वर्दीधारी जवानों को पीटते, धमकाते, और संविधान को रौंदते हुए नजर आ रहे हैं।

और दुर्भाग्य की बात यह नहीं कि ये घटनाएं हो रही हैं, बल्कि यह है कि अब वर्दीधारी अधिकारी भी वर्दी की बेइज्जती में सहयोगी बन गए हैं।

एक सीओ स्तर की अधिकारी कैमरे के सामने कांवड़ियों के पैरों की फुट मसाज करती है — वर्दी पहनकर।

यह दृश्य अगर आपको गौरव से नहीं, गंभीर चिंता से भर दे — तो आप लोकतंत्र के पक्ष में हैं।

सड़क पर साधना या सत्ता की स्टंटबाज़ी?

कांवड़ यात्रा कभी शिवभक्ति की व्यक्तिगत साधना मानी जाती थी।

आज वह सड़क पर भगवा लहराता हुआ सत्ता-प्रायोजित शक्ति प्रदर्शन बन चुकी है।

- अगर भगवा पहन लेना कानून से छूट का लाइसेंस बन जाए — तो यह धर्म नहीं, दंभ है।
- जब श्रद्धालु डीजे पर नाचते-गाते जुलूस निकालें, आम लोगों की आवाजाही रोकें, और पुलिस थानों में घुसकर जवानों को पीटें — तो यह भक्ति नहीं, भीड़तंत्र का तांडव है।
- जब पुलिस हाथ जोड़कर 'भक्तों' से माफी मांगे और सरकार फूल बरसाए — तब जान लीजिए, संविधान हाशिए पर जा चुका है।

जब पुलिस घुटनों पर हो और भीड़ सिर पर

यह घटनाक्रम सिर्फ एक अराजक दृश्य नहीं, बल्कि राज्य और धर्म के रिश्ते की सच्चाई उजागर करता है :

- वर्दी, जो संविधान की शपथ लेती है, आज भीड़ के चरण दबा रही है।
- जवान, जो जनता की रक्षा के लिए हैं, आज भक्तों की लाठी खा रहे हैं।
- और सरकार पुष्पवर्षा में मग्न है।

शिव को भस्मासुर नहीं चाहिए थे, न ही उनका तांडव अराजकता से जुड़ा था। अगर शिवभक्ति आज शांत, गहराई से भरी, करुणामय नहीं — बल्कि हल्ला, हिंसा और हक जताने का जरिया बन गई है, तो यह धर्म नहीं, समाज की आत्मा का अपहरण है।

जब न्याय का तराजू डोलने लगे

- जब संविधान मौन हो जाए और सड़क पर 'धर्म' की हुंकार गूंजे,
- जब कांवड़िए सीआरपीएफ के जवानों को मारें और कैमरे में पुलिस अधिकारी घुटनों पर दिखें,
- जब न्यायपालिका भी इन मामलों पर आँख मूंदे बैठे — तो खतरा किसी धर्म विशेष का नहीं, पूरी लोकतांत्रिक सभ्यता का है।

सवाल जो हर नागरिक को पूछने चाहिए

1. क्या कांवड़ यात्रा के नाम पर हर साल संविधान को रौंदना स्वीकार्य है?
2. क्या शिवभक्ति का अर्थ अब कानून का मखौल, ट्रैफिक की तबाही, और सेना के जवानों की पिटाई है?
3. क्या 'भगवा' अब जवाबदेही से छूट का रंग बन गया है?
4. क्या सरकार की जिम्मेदारी केवल भक्तों पर फूल बरसाना है — या संविधान की रक्षा करना भी?

अब निर्णय आपको लेना है

यह सिर्फ़ एक धर्म का सवाल नहीं — यह पूरे लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी का प्रश्न है।

समय आ गया है कि हम श्रद्धा और सत्ता की इस खतरनाक सांठगांठ को पहचानें।

धर्म को राजनीतिक हथियार बना देना, न सिर्फ़ संविधान के साथ विश्वासघात है, बल्कि आम जनता के साथ भी धोखा है।

और अंत में — एक कड़वा मगर ज़रूरी सवाल

जो वर्दीधारी कांवड़ियों के पैर दबा रहे हैं — क्या उन्होंने कभी अपने बूढ़े माँ-बाप के पैर भी दबाए हैं?

यह सवाल श्रद्धा का नहीं, मानवता की प्राथमिकता का है।

अगर सत्ता के संरक्षण में भीड़ की सेवा ही कर्तव्य बन गया है, और माता-पिता जैसे वास्तविक देवी-देवताओं की सेवा हाशिए पर है — तो यह केवल लोकतंत्र ही नहीं, संस्कारों की भी हत्या है।

अगर नहीं जागे, तो अगला शिकार — आपकी आज़ादी होगी।

और जब तक जवाब नहीं मिलेगा —

#सवाल-ज़िंदा-है

प्रवर्तन निदेशालय की साख पर सवाल

ईडी के पास धनशोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने की शक्ति है। विपक्षी दल ऐसे आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक दबाव में जांच एजंसी इस शक्ति का दुरुपयोग कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यप्रणाली को लेकर शक्तियों के इस्तेमाल, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दुरुपयोग जैसे सवाल उठते रहे हैं। ईडी पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने और सत्ताधारी दल के सदस्यों के प्रति नरमी बरतने के आरोप भी लगते रहते हैं। इसके अलावा, ईडी की ओर से दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर कम होने पर भी सवाल उठ चुके हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब कुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजंसी की कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से देखा जाता है।

गौरतलब है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह सख्त टिप्पणी की कि ईडी कोई 'ड्रोन' नहीं है जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे।

साथ ही कहा कि जांच एजंसी एक अत्यधिक दक्ष पुलिस अधिकारी (सुपर काप) की तरह नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। हर जांच एजंसी की कार्यप्रणाली में कुछ न कुछ खामियां होती हैं, लेकिन जब सिलसिलेवार तरीके से सवाल उठने लगे तो यह दामन पर दाग लगने जैसा होता है।

ईडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी

ईडी के पास धनशोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने की शक्ति है। विपक्षी दल ऐसे आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक दबाव में जांच एजंसी इस शक्ति का दुरुपयोग कर रही है।

ईडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि अगर जांच एजंसी के पास मौलिक अधिकार हैं तो उसे लोगों के अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को ईडी द्वारा तलब किए जाने से जुड़े एक मामले में सोमवार को शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रही है।

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

-ललित गर्ग-

'हर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ़ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्ज़ाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास सुनने का समय नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास ज़रूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते।

हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे- संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहटत से भरे हुए।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3598

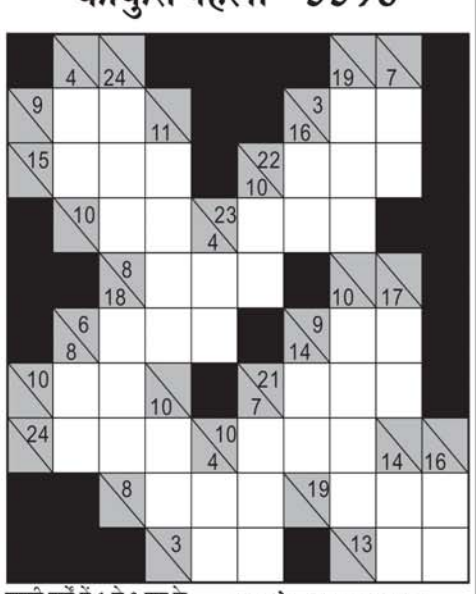

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

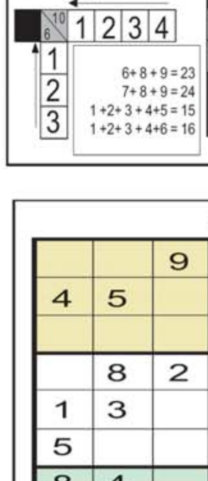

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3597 का हल

हंसी के फूव्वारें

ज्यादातर फिल्में शादी होने का दृश्य दिखाकर ही क्यों खत्म हो जाती हैं?

ताकि शादी के बाद के दुखद दृश्य न देखने पड़ें.

नर्स, मैं तुमसे बेहद प्यार करता हूँ, मैं अब अच्छा नहीं होना चाहता.

नर्स बोली-तुम अब अच्छे हो भी नहीं सकते क्योंकि डॉक्टर भी मुझसे प्रेम करता है और उसने मुझे तुमसे प्यार करते हुए देख लिया है.

□ □ □

अविवाहिता-क्या तुम अपनी किसी सबसे बड़ी बेवकूफी का प्रमाण दे सकते हो?

अविवाहित-तुमने प्यार कर लिया, यह क्या छोटा प्रमाण है?

□ □ □

सुनीता-पता नहीं इस बार साड़ियों के कौन-कौन से नये डिजाइन निकलेंगे?

मोहन-वही दो! एक जो तुम्हें पसन्द नहीं आयेगा. दूसरा वह जिसे खरीदने के लिए मेरे पास रुपये नहीं होंगे.

□ □ □

एक पति ने अपनी घरवाली से पूछा-युधिष्ठिर भी जुआ खेले थे, फिर तू मुझे क्यों रोकती है?

घरवाली ने कहा -नहीं रोकूंगी, लेकिन याद रखना कि द्रौपदी के भी पांच पति थे.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3598

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लक्षा' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शावा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3597

सूडोकु -3598

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3597 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3598

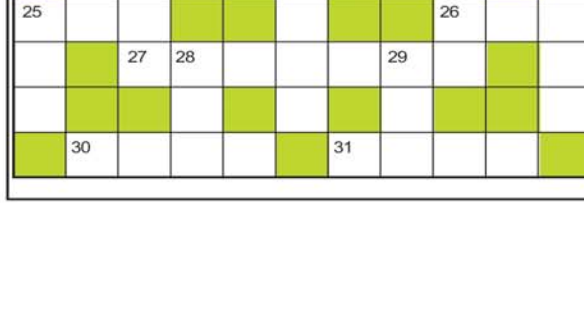

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली - 3597का हल

नोएडा प्राधिकरण 17 बिल्डरों से वसूलेगा बकाया 7 हजार करोड़

एनसीएलटी और एनसीएलएटी में करेगा मजबूत पैरवी, वकीलों के साथ होगा रिव्यू

नोएडा। एनसीएलटी और एनसीएलएटी दोनों में गए बिल्डरों के बकाया वसूली को लेकर नोएडा प्राधिकरण तैयारी कर रहा है। यहां करीब 17 बिल्डरों के मामले चल रहे है। जिन पर करीब 7 हजार करोड़ रुपए बकाया है। ये बिल्डर अमिताभ कांत की सिफारिश से अलग है।

प्राधिकरण ने इन बिल्डरों को ऑफर किया है कि यदि ये दोनों संस्थानों से केस वापस ले तो अमिताभ की सिफारिश में इनको शामिल किया जाएगा। रिस्पांस नहीं मिलने पर अब प्राधिकरण दोनों संस्थानों में मजबूत से पैरवी करेगा। इसके लिए वकीलों के साथ एक रिव्यू बैठक की जाएगी।

वकीलों के साथ होगी रिव्यू बैठक

एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि इस बैठक में सभी बिल्डरों की केस स्टडी को देखा जाएगा। एनसीएलटी और एनसीएलएटी में क्या जवाब देना है।

इसको तैयार किया जाएगा और मजबूत पैरवी की जाएगी। ताकि बिल्डरों से विधि पूर्वक बकाया वसूल किया जा सके। बता दें, नोएडा में 57 बिल्डर परियोजना ऐसी है। जिनको अमिताभ कांस की सिफारिश का लाभ

मिल रहा है। अब तक इन 57 बिल्डर परियोजनाओं में 34 बिल्डर परियोजनाओं ने इस योजना का लाभ लिया।

3125 फ्लैट बायर्स की हो चुकी रजिस्ट्री

इन्होंने योजना के तहत 25 प्रतिशत पैसा यानी 518 करोड़ जमा किया। ये कुल डेवलपर्स का 60 प्रतिशत है। वहीं 13 ऐसे बिल्डर प्रोजेक्ट हैं जिन्होंने आंशिक पैसा करीब 25.45 करोड़ रुपए जमा कराए। ऐसे में कुल 543.45 करोड़ रुपए जमा हुए। इससे कुल 4777 रजिस्ट्री कराई जा सकेंगी। जिसमें से 3125 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री हो चुकी है। अब बारी एनसीएलटी और एनसीएलएटी के मामलों की है।

जहां वकीलों की मजबूत पैरवी के बाद ही बकाया वापस आएगा। इसके लिए वकीलों के साथ बैठक की जाएगी। साथ लीगल सेल भी इसमें शामिल होगा।

इन बिल्डरों पर होगी पैरवी

एटीएस होम्स
सुपरटेक रियलटर्स
लॉजिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
लॉजिक्स सिटी डेवलपर्स
थ्री सी इसके अलावा अन्य भी है।

नोएडा प्राधिकरण ने चार पर दर्ज कराया मुकदमा

सरकारी जमीन पर कर रहे थे अवैध निर्माण, जारी किया गया था नोटिस

नोएडा। सोहरखा जाहिदाबाद गांव में नोएडा प्राधिकरण की सरकारी जमीन पर रोक के बावजूद अवैध निर्माण कराने के मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज हुआ है। केस प्राधिकरण के अवर अभियंता की ओर से दर्ज कराया गया है। पुलिस नामजद आरोपियों से पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। प्राधिकरण के वर्क सर्किल छह के अवर अभियंता निखिल मित्तल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सोहरखा जाहिदाबाद गांव में खसरा संख्या 819 एम नोएडा प्राधिकरण की

अधिसूचित जमीन है। इस पर प्राधिकरण के अधिकारियों की अनुमति के बिना किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं कराया जा सकता है। इसके बावजूद जमीन पर गांव के सुभाष, सत्यपाल, योगेंद्र यादव व यशवीर यादव अवैध रूप से प्लाट काटकर बेचने का काम कर रहे हैं। नींव भरवाने के साथ-साथ अन्य निर्माण कार्य भी कराए जा रहे हैं।

इस तरह के अवैध निर्माण को रुकवाने के लिए भूलेख व वर्क सर्किल विभाग के अधिकारी कई बार प्रयास कर चुके हैं, लेकिन फिर भी चोरी छिपे अवैध निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने नामजद आरोपियों पर प्राधिकरण की टीम के साथ बदसलूकी करने का भी आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि प्राधिकरण की टीम जब कार्रवाई करने जाती है तो आरोपी कुछ समय के लिए अवैध निर्माण बंद कर देते हैं। कुछ ही समय बाद फिर से निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाता है।

नोएडा में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा की थाना सेक्टर-142 पुलिस ने मंगलवार को 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश रोहित कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को यह कामयाबी सेक्टर-140 सर्विस रोड के पास मिली। यह कार्रवाई मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित कुमार पुत्र बीरबल सिंह के रूप में हुई है, जो एक शातिर अपराधी है। पुलिस के अनुसार वह अवैध हथियार रखने और चोरी की वारदातों में शामिल रहा है। उसके पास से एक अवैध हथियार भी बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि सितंबर 2024 में रोहित को एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 18 फरवरी 2025 को उस पर गैंगस्टर एक्ट भी लगाया गया, लेकिन वह तब से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया था। पूछताछ में रोहित ने खुलासा किया कि वह अपने साथी अनिल के साथ मिलकर ई-रिक्शा चोरी करता था। ये लोग रिक्शा किराए पर लेते और फिर सुनसान जगह पर किसी बहाने से रोककर हथियार के बल पर रिक्शा लूट लेते थे। इसके बाद रिक्शा को कबाड़ में या अन्य लोगों को बेच देते थे।

मूक-बधिर किशोर की हत्या में दो दोषियों को सजा

गौतम बुद्ध नगर। गौतमबुद्धनगर के जेवर में एक मूक-बधिर किशोर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में न्यायालय ने दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साहिल और इरफान नाम के दोषियों पर 1 लाख 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

घटना 18 मार्च 2020 की है, जब जेवर थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय मूक-बधिर किशोर लापता हुआ था। बाद में उसका शव अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र में एक कॉलेज के पास खेत से बरामद हुआ। पुलिस जांच में पता चला कि कस्बे के रहने वाले साहिल और इरफान किशोर को अपने साथ ले गए थे।

आरोपियों ने पीड़ित के साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए और फिर ईंट से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए पीड़ित का चेहरा विकृत कर दिया गया था। न्यायालय ने इसे जघन्य श्रेणी का अपराध माना।

यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कनविक्शन के तहत हुई। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में थाना जेवर पुलिस और अभियोजन इकाई की प्रभावी पैरवी के चलते यह सफलता मिली। दोषियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 201, 363, 377 और पॉक्सो एक्ट की धाराएं लगाई गईं। जुर्माने की 80 प्रतिशत राशि पीड़ित के परिवार को दी जाएगी। जुर्माना न चुकाने पर दोषियों को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

नोएडा में पीजी के केयरटेकर ने की सुसाइड

नोएडा। सेक्टर-73 स्थित पीजी में 25 साल के केयरटेकर ने पंखे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सेक्टर-113 थाना प्रभारी ने बताया कि शाहजहांपुर के खुटार का चंदन तिवारी लंबे समय से सेक्टर-73 स्थित एक पीजी में केयरटेकर का काम कर रहा था। रविवार दोपहर एक बजे के करीब उसने पीजी के अंदर ही फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंदन किसी बात को लेकर बीते कुछ दिनों से तनाव में था। ऐसे में आशंका जाहिर की जा रही है कि मानसिक तनाव के चलते उसने सुसाइड किया है। उसके परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है।

शारदा यूनिवर्सिटी के एचओडी, डीन समेत 4 प्रोफेसर सस्पेंड

दो पहले से जेल में; बीडीएस सेकेंड ईयर की छात्रा ने कर लिया था सुसाइड

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा ज्योति की आत्महत्या मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। यूनिवर्सिटी ने एचओडी प्रोफेसर आशीष चौधरी, डीन प्रोफेसर एम सिद्धार्थ, प्रोफेसर अनुराग और प्रोफेसर सुरभि को निलंबित कर दिया है।

शारदा विश्वविद्यालय के डायरेक्टर अजीत कुमार ने बताया कि प्रोवाइस चांसलर की अध्यक्षता में कमेटी जांच कर रही है। इस मामले में पहले ही दो प्रोफेसर जेल भेजे जा चुके हैं।

शुक्रवार की शाम मंडेला गर्ल्स हॉस्टल में गुरुग्राम निवासी छात्रा ज्योति ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। सुसाइड नोट में उसने दो प्रोफेसर का नाम लिखा था।

छात्रा ने फैकल्टी पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। छात्रा के पिता ने डीन समेत 6 नामजद और कुछ अज्ञात स्टाफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने महिला प्रोफेसर शेरी वशिष्ठ और प्रोफेसर महेंद्र सिंह चौहान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

छात्रा की मौत के बाद विश्वविद्यालय में 16 घंटे तक छात्रों का प्रदर्शन चला। यूनिवर्सिटी में ज्योति की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान 2 मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में प्रो वाइस चांसलर, फैकल्टी और छात्र मौजूद रहे।

एटीएम से रूपये चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश, तीन बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। वकार सैफी। थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने इंस्टाग्राम रील्स से अपराध करने का तरीका सीख कर, एटीएम से रूपये चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 3 तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, इनके कब्जे से कब्जे से 9 मोबाइल फोन, 13 डेबिड कार्ड, 3 मास्टर चाबी, दो फाइबर प्लेट और 46 हजार रुपये नगद वारदात के दौरान इस्तेमाल होने वाली ओरा कार बरामद किया है।

बता दे कि इंस्टाग्राम के रील्स को देख एटीएम से चोरी करने के नए तरीके सीख कर लोगों के साथ फ्राड करने वाले तीन बदमाशों वीनस, रोहित और वैभव को पुलिस ने पुस्ता सर्विस रोड सेक्टर 130 से गिरफ्तार किया है। डीसीपी नोएडा ने बताया आरोपी से

पूछताछ से पता चला है कि आरोपी एटीएम में नीचे एक बॉक्स होता है, उसमें एक फाइबर प्लेट लगा देते हैं जिससे कि मनी स्टॉप हो जाती है। जब भी कोई व्यक्ति एटीएम में पैसे ट्रांसक्शन करने आता है, अपना एटीएम इन्सर्ट करता है, पिन डालता है और मनी ट्रांसक्शन होती है लेकिन वो वहाँ के ब्लॉक होने के कारण बाहर नहीं आ पाती, जब वो व्यक्ति परेशान होकर के चला जाता है ये बदमाश वापस उस जो प्लेट को निकाल कर के पैसे निकाल लिया करते थे।

इन बदमाशों ने इस तरह अपराध करने की मॉडस ऑपरेंडी को इस इंस्टाग्राम रील्स को देख सीखा था, एटीएम की जो लोअर बॉडी होती है, की उसमें फाइबर प्लेट लगा करके इन्होंने उसको मैनिपुलेट किया और उसमें मास्टर की के द्वारा ऑपरेट करके पैसे निकाल लिया करते थे। ये आरोपी उन एटीएम को टारगेट करते जो किनारे के एटीएम लगे होते थे, और आउटर एरिया में लगे होते थे, और जिन पर ग़ार्ड नही तैनात होते थे. इनके कब्जे से कब्जे से 9 मोबाइल फोन, 13 डेबिड कार्ड, 3 मास्टर चाबी, दो फाइबर प्लेट और 46 हजार रुपये नगद वारदात के दौरान इस्तेमाल होने वाली ओरा कार बरामद किया है। इनके आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है और जितने भी लोग लोगों के साथ इन्होंने ठगी की है। उन सभी से भी कंटैक्ट किया है।

शिवरात्रि पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

नोएडा। शिवरात्रि के मौके पर नोएडा में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने स्थानीय अवकाश की घोषणा की है। इस दौरान जनपद के सभी स्कूल, सरकारी कार्यालय व न्यायालय में छुट् ?टी रहेगी। 23 जुलाई को कावडियों की ओर से शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान मंदिरों में काफी भीड़ रहेगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पर्याप्त इन्तजाम रहेंगे। इसे देखते हुए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। डीएम मनीष कुमार वर्मा निरंतर कांवड़ मार्गों एवं मंदिर परिसरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने टीम के साथ श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर सेक्टर-14ए नोएडा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्गों पर सुचारु यातायात, रात्रि विश्राम की समुचित व्यवस्था, पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी सतर्कता के साथ दुरुस्त रखा जाए। मेडिकल कैंप के निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक दवाएं, प्राथमिक उपचार और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मौके पर उपलब्ध रहें। ताकि कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या न हो ।जिलाधिकारी ने मंदिर समिति के प्रबंधकों से भी संवाद किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली, जिसे उन्होंने संतोषजनक पाया। उन्होंने समिति द्वारा किए जा रहे प्रबंधों की सराहना की।

किसानों को बिजली और खाद नहीं

कांग्रेस का तहसील पर प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जेवर। गौतमबुद्ध नगर में खरीफ की फसलों की बुआई के लिए बिजली और खाद की किल्लत के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला के नेतृत्व में कार्यकर्ता डाढ़ा गोलचक्कर से सदर तहसील पहुंचे। भाटी ने कहा कि मानसून की दस्तक पूरे देश में हो चुकी है। गौतमबुद्ध नगर में सामान्य से कम वर्षा हुई है। किसान वैकल्पिक सिंचाई साधनों पर निर्भर हैं। जनपद में दो-तिहाई से अधिक क्षेत्र नलकूप से सिंचित होता है। उन्होंने कहा कि जनपद में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। लाइन लॉस और तकनीकी कारणों से किसानों को बिजली नहीं मिल पा रही है। बिजली मंत्री की समीक्षा बैठक के दौरान भी बिजली गुल हो जाती है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यूरिया और डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करेंगे। प्रदर्शन में महाराज सिंह नागर, गौतम अवाना, सूबेदार सतपाल सिंह, विजय नागर, नीरज लोहिया समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने एसडीएम चारुल यादव को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

बरसात के मौसम में वाहन चलाते समय बरतें सावधानी

विशाल इंडिया संवाददाता

गौतम बुद्ध नगर। जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी(प्रवर्तन) गौतमबुद्ध नगर डा उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में बरसात के मौसम को देखते हुए परिवहन विभाग और यातायात पुलिस सभी वाहन चालकों से सुरक्षित ड्राइविंग के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील करता है।

बरसात के दौरान सड़कों पर फिसलन, कम दृश्यता और जलभराव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं :

1. गति नियंत्रण : बरसात में सड़कें फिसलन भरी हो सकती हैं। वाहन की गति नियंत्रित रखें और अचानक ब्रेक लगाने से बचें।
2. दूरी बनाए रखें : सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें ताकि आपात स्थिति में रुकने के लिए पर्याप्त समय मिले।
3. हेडलाइट और फॉग लाइट का उपयोग : कम दृश्यता के दौरान हेडलाइट और फॉग लाइट का उपयोग करें। सुनिश्चित करें कि वाहन की लाइट्स और वाइपर पूरी तरह कार्यरत हों।
4. टायरों की जांच : वाहन के टायरों की स्थिति जांचें। घिसे हुए टायर फिसलन का कारण बन सकते हैं।
5. जलभराव से बचें : जलभराव वाले क्षेत्रों में वाहन चलाने से बचें। यदि आवश्यक हो तो वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें।
6. मौसम अपडेट : ड्राइविंग से पहले मौसम की जानकारी लें और भारी बारिश की स्थिति में यात्रा टालने का प्रयास करें।
7. आपातकालीन किट : वाहन में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, और आपातकालीन संपर्क नंबर रखें।

जिला प्रशासन और यातायात पुलिस सभी नागरिकों से अनुरोध करती है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित ड्राइविंग को प्राथमिकता दें।

किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन नंबर '112' पर संपर्क करें।

शार्ट न्यूज

नोएडा में मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली

नोएडा। चोरी की स्कूटी से रैकी कर घरों में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना सेक्टर-24 थाने की पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। बदमाश के खिलाफ दिल्ली और मेरठ समेत अन्य जिलों और राज्यों में 12 मुकदमे विभिन्न धाराओं में दर्ज हैं। बदमाश के पास से चोरी की स्कूटी, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। एसीपी स्वतंत्र सिंह ने बताया कि सोमवार शाम सात बजे के करीब सेक्टर-24 थाने की पुलिस थाना प्रभारी की अगुवाई में सेक्टर-54 स्थित एलिवेटेड के नीचे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एनटीपीसी की तरफ से एक स्कूटी सवार आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो वह पास के जंगल की तरफ भागा। पुलिस टीम उसका पीछा करने लगी। इसी दौरान स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई। खुद को घिरा देख स्कूटी सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

जेवर। गौतमबुद्धनगर में श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सक्रिय है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर मंगलवार शाम को डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान ने कांवड़ रूट का निरीक्षण किया। अपर पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव नारायण मिश्र के पर्यवेक्षण में यह निरीक्षण थाना जेवर और दनकौर क्षेत्र में किया गया। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार के नेतृत्व में सभी एसीपी ने शिविरों की व्यवस्थाओं की जांच की। अधिकारियों ने शिविरों में साफ-सफाई, पानी और बिजली की व्यवस्था का जायजा लिया। मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का भी निरीक्षण किया गया। शिविरों में विश्राम कर रहे शिवभक्तों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य है कि कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में कांवड़ यात्रा कर रहे श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। इसलिए यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

मशीन नहीं चलाना जानने के बावजूद काम करवाया: मजदूर की 4 उंगलियां कटी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 में एक कंपनी में हुए हादसे का मामला सामने आया है। यहां एक मजदूर की चार उंगलियां कटने के बाद कंपनी मालिक समेत चार लोगों पर केस दर्ज किया गया है। बुलंदशहर के खुर्जा निवासी शिवा 4 अप्रैल को कंपनी में काम कर रहा था। कंपनी के सीनियर अधिकारियों ने उसे एक ऐसी मशीन चलाने को कहा, जिसे वह चलाना नहीं जानता था। मना करने के बावजूद उसे मशीन चलानी पड़ी। इस दौरान उसका हाथ मशीन में फंस गया। कंपनी प्रबंधन ने शिवा का इलाज सही अस्पताल में नहीं कराया। इससे उसके हाथ में इंफेक्शन हो गया। डॉक्टरों को इंफेक्शन की वजह से उसकी चार उंगलियां काटनी पड़ीं। अब कंपनी ने उसे नौकरी से भी निकाल दिया है। पीड़ित के पिता विनोद ने कंपनी के मालिक सिद्धांत गुप्ता, मैनेजर कुंदन, सुपरवाइजर अनिल और ऑपरेटर कपिल के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा में जमीन विवाद

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के गांव कानपुर में जमीनी विवाद हिंसक रूप में बदल गया। एक पक्ष पुश्तैनी जमीन पर मकान बना रहा था। दूसरे पक्ष ने निर्माण कार्य रोकने का प्रयास किया। सुंदर का कहना है कि अनिल, मनोज, गुड्डी और कमलेश समेत 7 लोगों ने उनका निर्माण कार्य रोका। आरोप है कि उन्होंने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और मारपीट की। दूसरी तरफ अनिल सिंह ने बताया कि हरवेंद्र, प्रमोद और सचिन हथियार लेकर उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने उनकी पत्नी गुड्डी और मां कमलेश के साथ मारपीट की। महिलाओं के कपड़े फाड़े गए और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इस हमले में दोनों महिलाएं घायल हुईं। मंगलवार को पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। इसमें 10 लोगों को नामजद किया गया है। कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे से जान-माल का खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है।

रालोद का सदस्यता अभियान शुरू

जेवर। ग्रेटर नोएडा में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने मंगलवार को सदस्यता अभियान का आयोजन किया। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 19 स्थित गौर सिटी सोसाइटी में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जनार्दन भाटी ने की। कार्यक्रम में अतुल चौधरी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। एडवोकेट इंद्रवीर भाटी ने बताया कि पार्टी का सदस्यता अभियान भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल 2025 से शुरू होगा। यह अभियान वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। पार्टी का लक्ष्य है कि गौतमबुध नगर जिले से हजारों लोगों को पार्टी से जोड़ा जाए। इससे 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी और एनडीए को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में हेमा पाठक, मनवीर भाटी, हरवीर तालान, प्रियंका अत्रि, लक्ष्मण, अतुल चौधरी, अभिषेक अग्रवाल, आजाद मलिक, अनु चौधरी, जोगिंदर तालान और वीरेंद्र समेत कई नेता मौजूद रहे।

प्राधिकरण के सुपरवाइजर और ठेकेदार ने काटे थे पेड़

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर चाई-तीन स्थित यूनिटेक हाइट्स सोसाइटी के पास ग्रीन बेल्ट के पेड़ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सुपरवाइजर और ठेकेदार ने काटे थे। वन विभाग की जांच में यह खुलासा हुआ है। विभाग ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आरोपियों ने आंधी से पेड़ गिरने और सफाई कराने का हवाला दिया था। दरअसल, कुछ दिन पहले वन विभाग को सेक्टर चाई तीन के समीप ग्रीन बेल्ट में पेड़ काटने की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि 100 से अधिक पेड़ काटे गए हैं। पेड़ काटने के बाद लकड़ियों को दूसरी जगह ले जाया जा रहा था ।शिकायत पर वन विभाग अधिकारी ने टीम गठित कर जांच सौंपी। रेंजर अनामिका ने बताया कि जांच में पता चला है कि ग्रीन बेल्ट में विलायती बबूल के 10 पेड़ काटे गए थे। इन्हें प्राधिकरण के सुपरवाइजर अनूप भाटी के कहने पर ठेकेदार मुजम्मिल ने कटवाया था।

कार सवारों ने रास्ता न देने पर ट्रैक्टर चालक को पीटा

नोएडा। सेक्टर-62 क्षेत्र में स्कॉर्पियो सवार चार युवकों को रास्ता न मिलना इस कदर नागवार गुजरा कि उन्होंने ने ट्रैक्टर चालक को बेरहमी से पीट दिया। 19 जुलाई की दोपहर हुई घटना के मामले में सेक्टर-58 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी देवेंद्र चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह पानी की सप्लाई का काम करते हैं। वह 19 जुलाई की दोपहर करीब 12.30 बजे ट्रैक्टर के पीछे पानी का टैंकर लेकर जा रहे थे। सेक्टर-62 में अदानी कॉम्प्लेक्स के पीछे एक स्कॉर्पियो गाड़ी पीछे आ रही थी। चालक लगातार हॉर्न बजाकर रास्ता मांग रहा था ।कुछ दूर चलने पर जगह मिलते ही उन्हें उसे रास्ता दे दिया। आरोप है कि कार सवार चार युवकों ने आगे गाड़ी खड़ी करके गाली-गलौज शुरू कर दी।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
बुधवार 23 जूलाई 2025
Www.vishalindia.in

सपा नेता को कॉलर पकड़कर पीटा

कन्नौज में सपा नेता के भाई ने मारे 7 थप्पड़; कुर्सी पर बैठने को दोनों भिड़े

कन्नौज। कन्नौज में सपा नेता के भाई ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य की पिटाई कर दी। सदर तहसील कैंपस में कॉलर पकड़कर 6-7 थप्पड़ मारे।

दोनों नेता मंगलवार दोपहर एक बजे किसी काम के लिए सदर तहसील पहुंचे थे। वकील के चैंबर में कुर्सी पर बैठने को लेकर दोनों में विवाद होने लगा। किसी तरह वकील ने दोनों को शांत करके बाहर निकाला, लेकिन बाहर भी दोनों में विवाद होने लगा।

पिटने वाले पूर्व जिला पंचायत सदस्य रजनीकांत यादव हैं। ये अखिलेश के काफी करीबी बताए जाते हैं। सपाईयों का कहना है कि जब अखिलेश प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो रजनीकांत यादव की गिनती बिना किसी अपॉइंटमेंट मिलने वालों में की जाती थी।

वहीं, आरोपी का नाम नाम लल्ला यादव है। वह सपा नेता डीएम यादव का भाई है। डीएम यादव के पास अभी जिले में कोई पद नहीं है।

मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है, सदर तहसील के बाहर दोनों में पहले बहस होती है। उसके बाद लल्ला यादव, रजनीकांत का कॉलर पकड़ लेता है। फिर लगातार 6-7 थप्पड़ मारता है। पास में खड़े कुछ लोग लल्ला यादव को पकड़कर मौके से ले जाते हैं। अभी तक इस मामले में पुलिस से कोई शिकायत नहीं की गई है।

रजनीकांत यादव पर कई आपराधिक मामले दर्ज

रजनीकांत यादव की पत्नी और भाई जलालाबाद के ब्लॉक प्रमुख रहे चुके हैं। लल्ला यादव का भाई डीएम यादव एक बार रजनीकांत यादव के खिलाफ जिला पंचायत सदस्य का निर्दलीय चुनाव लड़ा था। जिसमें डीएम यादव को हार मिली थी।

तब से दोनों के बीच विवाद चल रहा है। रजनीकांत यादव ने सपा से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। अभी रजनीकांत यादव के पास भी कोई पद नहीं है।

रजनीकांत यादव पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। लल्ला यादव खेती और व्यापार करता है।

कुर्सी खाली करने को लेकर शुरू हुआ विवाद

बताया जा रहा है कि रजनीकांत यादव अपने जमीन के काम से मंगलवार को सदर तहसील पहुंचे थे। जब वह वकील के चैंबर में पहुंचे तो वहां लल्ला यादव कुर्सी पर बैठे हुए थे। रजनीकांत ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लल्ला यादव से कुर्सी खाली करने को कहा। जिसको लेकर वकील के चैंबर में दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। बाहर निकलकर दोनों में मारपीट होने लगी। मामले को लेकर सपा जिलाध्यक्ष कलीम खां ने बताया, डीएम यादव और रजनीकांत यादव समाजवादी पार्टी के ही नेता हैं। हालांकि डीएम यादव के पास पार्टी का कोई पद नहीं है। उन्होंने कहा, डीएम यादव के भाई के साथ झगड़े की जानकारी मिली है। इस मामले को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अवगत कराया जाएगा। दोनों पक्षों को बैठाकर सुलह करवाई जाएगी।

चंदौली में जिम संचालक को गोलियों से भूना

चंदौली। चंदौली में जिम संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चार बाइक पर आए 8 बदमाशों ने जिम संचालक को नीचे मिलने के लिए बुलाया।

बाहर आते ही उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। कारोबारी के सिर, गर्दन और पीठ पर कुल 8 गोली लगी। जिम संचालक लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग भागकर मौके पर पहुंचे। लोगों को आते देख बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

सूचना पर पुलिस और परिजन पहुंचे। गंभीर रूप से घायल जिम संचालक को पुलिस हॉस्पिटल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना सोमवार रात साढ़े 11 बजे मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के धरना गांव की है।

पुलिस ने घटना स्थल से 7 खोखे और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। सुरक्षा को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

अब जानिए पूरी घटना...

धरना गांव निवासी अरविंद यादव (38) डीलर था। अरविंद की पीडीडीयू नगर के परमार कटरा में घर से करीब 1 किमी दूर कपड़े की दुकान और जिम है।

अरविंद की पत्नी सिंधु देवी (35) और उसके दो बच्चे अंशिका (14) और देवांश (8) हैं।

अरविंद की मां चिरौरी देवी (60) और उसका भाई दीपक (36) उसके साथ ही रहने थे।

शार्ट न्यूज

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 49 लीटर कच्ची शराब बरामद, तीन हजार लीटर लहन नष्ट

ललितपुर। सौजना पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम जमुनझिर और सडकोरा गांव में बड़ी कार्रवाई की। यहां छापेमारी कर टीम ने 49 लीटर कच्ची शराब बरामद की। साथ ही तीन हजार लीटर लहन को नष्ट कराया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे ,अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण मे जनपद में अवैध शराब/मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सौजना पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम जमुनझिर, ग्राम सड़कोरा मे दबिश के दौरान 49 लीटर नाजायज कच्ची शराब बरामद कर मौके पर करीब 3000 लीटर लहन नष्ट कर, तीन अभियुक्तागण को नियमानुसार गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

ललितपुर । बानपुर पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एंव क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस द्वारा थाना बानपुर पर पंजीकृत सम्बन्धित मु0नं0 73/13 धारा 323/504/506/427 भादवि से सम्बंधित अभि0 छक्की पुत्र दयाली उम्र करीब 50 वर्ष, अमोल पुत्र दयाली उम्र करीब 38 वर्ष अशोक पुत्र हन्नू उम्र करीब उम्र करीब 45 वर्ष निवासी ग्राम हुसंगा थाना बानपुर ललितपुर को समय 11.00 बजे गिरफ्तार किया गया वारण्टीगण उपरोक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अरूण कुमार तिवारी उ.नि.मनोज कुमार सिंह का. कनिष्क वघेल का. शिवनन्दन आदि शामिल रहे।

फर्रुखाबाद में कक्षा 7 की लापता छात्रा मिली

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में सोमवार को स्कूल के घर के लिए निकली छात्रा घर नहीं पहुंची। सीसीटीवी कैमरे में उसे स्कूल से छुट्टी के दौरान निकलते हुए देखा गया था। बाद में वह नहीं दिखी थी। मामले में एसओजी सहित शहर कोतवाली पुलिस छात्रा को तलाश कर रही थी। एसओजी टीम ने कई सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की। एसओजी की टीम ने छात्रा को मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र से बरामद कर लिया। बताया गया छात्रा रास्ता भटक गई थी रो रही थी। इसके चलते बुजुर्ग महिला के साथ उसके घर चली गई थी। बुजुर्ग महिला ने उसका पूरा ख्याल रखा। वहीं छात्रा के मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली। इस दौरान लोगों ने एसओजी व शहर कोतवाली पुलिस की सराहना की। कहा पूरी रात टीम लगी रही तब जाकर छात्रा बरामद हो सकी।

जमीन विवाद में सहकारिता सचिव की मौत

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के चिल्हिया थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने एक व्यक्ति की जान ले ली। बृजमनगंज सहकारिता समिति के सचिव दयाशंकर उपाध्याय की मंगलवार शाम लखनऊ में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उनके भाई नागेन्द्र उपाध्याय का इलाज सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। घटना पकड़ी बरगदवा गांव की है। यहां दयाशंकर उपाध्याय और उनके भाई का भगवती पांडेय परिवार से जमीन को लेकर पुराना विवाद था। शनिवार को यह विवाद हिंसक हो गया। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से मारपीट हुई। इसमें दयाशंकर और नागेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए। चिल्हिया थाने के थानाध्यक्ष रामदेव के अनुसार, मारपीट में भगवती पांडेय, उनकी पत्नी मरमीला और पुत्रियां शामिल थीं। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। दयाशंकर की मृत्यु की खबर से गांव में तनाव फैल गया है। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

चोरी के मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

बांदा। बांदा पुलिस ने चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया है। घटना 20 जुलाई 2025 की है। कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव पिपरी में साकेत सिंह के घर चोरी हुई थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरटीओ चौराहे के पास स्थित निर्माणाधीन अस्पताल के सामने गांव गुरेह से आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पिपरी में दो घरों को निशाना बनाया था। एक घर से 3,500 रुपए नकद, दो चांदी की चूड़ियां, एक जोड़ी बिछिया और एक जोड़ी पायल चुराई। दूसरे घर से लोहे का बक्सा चुराने की कोशिश की, लेकिन गांव वालों को देख भाग गए। आरोपियों ने चोरी के आभूषण 14,800 रुपए में बेच दिए थे। पुलिस ने आरोपियों से कुल 18,300 रुपए नकद, एक ताला तोड़ने वाली रॉड और घटना में इस्तेमाल की गई चार पहिया गाड़ी बरामद की है।

लखनऊ में भूजल सप्ताह-2025 का समापन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भूजल सप्ताह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक जनजागरण अभियान है, जो समाज को जल संरक्षण की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में भूजल सप्ताह-2025 के राज्य स्तरीय समापन समारोह में यह बात कही। उन्होंने आह्वान किया कि अगर जल सुरक्षित होगा तो कल सुरक्षित होगा। हमें भूजल संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। मंत्री ने चिंता जाहिर की कि प्रदेश में भूजल की उपलब्धता लगातार घट रही है, जबकि इस पर निर्भरता और दबाव दोनों बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदेश की ज़रूरतों के मुताबिक उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबंधन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 को लागू किया है, जिसके तहत सभी सरकारी, अर्द्ध सरकारी और शैक्षणिक भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, हर राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। 2047 में जब भारत आज़ादी के 100 साल मनाएगा, तब वह भारत कैसा होगा—यह आप तय करेंगे।

कांग्रेस का किसानों के समर्थन में प्रदर्शन

अयोध्या। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को किसानों की समस्याओं को लेकर सदर तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। इस दौरान कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा किसानों को यूरिया खाद, सिंचाई के लिए बिजली व पानी की भारी किल्लत और खाद की कालाबाजारी रहा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए किसानों की बदहाली के लिए सीधे तौर पर भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि आज प्रदेश का अन्नदाता खुद को पूरी तरह ठगा हुआ महसूस कर रहा है। भाजपा सरकार ने मुफ्त बिजली और किसानों की आय दोगुनी करने का जो वादा किया था, वह पूरी तरह खोखला साबित हुआ है। कांग्रेस पार्टी किसानों की इस लड़ाई में पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

लखनऊ के होटल में आधी रात मर्डर

गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचे युवक ने गोली मारी, मालिक बोले- दोनों नशे में थे

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार देर रात होटलकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी युवक विकल्प खंड के होटल ईशान इन में गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा था। तभी उसकी स्टाफ कर्मी से बहस हो गई। इसके बाद उसने गर्लफ्रेंड के सामने ही तीन फायर किए, जिसमें एक गोली दिवाकर के गले में जा लगी।

पुलिस ने आरोपी युवक और युवती को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि युवती ने कॉल करके युवक को बुलाया था। दिवाकर की युवक से बहस हुई थी। उसके बाद दोनों वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोबारा आते ही दिवाकर को गोली मार दी।

अब पूरी घटना विस्तार से पढ़िए

बाराबंकी निवासी देवेंद्र मिश्रा और उदयसेन यादव का पार्टनरशिप में विकल्प खंड में ईशान इन होटल है। जयसिंहपुर, सुल्तानपुर निवासी दिवाकर यादव (20) होटल में काम करता था। इसी होटल में गोरखपुर निवासी खुशी ठहरी थी।

उदयसेन यादव ने बताया कि सोमवार रात 12: 30 से 1 के बीच देवेंद्र मिश्र, शुभम शर्मा, होटलकर्मी राहुल, उदय प्रताप सिंह सब लोग खड़े थे। तभी होटल में रुकी युवती नशे की हालत में फोन पर बात करते हुए बाहर निकली। इस बीच उसको लेने आए बॉयफ्रेंड ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

गोली सीधे दिवाकर के गले में लगी। इसके बाद आरोपी बाइक छोड़कर फरार हो गया। दिवाकर को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

होटल मालिक बोले- युवती काफी नशे में थी

पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक की पहचान गोसाईंगंज अयोध्या निवासी आकाश तिवारी पुत्र विनोद तिवारी के रूप में हुई। वह लखनऊ में कांतिपुरम कॉलोनी मटियारी पर किराए के मकान में रहता है। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है।

उदय सेन यादव ने बताया कि युवती 16 जुलाई से होटल में रुकी थी। वो दारू के नशे में थी। उसने ही आकाश को कॉल करके बुलाया था। घटना के समय आकाश भी काफी नशे में था।

मेरठ के 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

मेरठ, आगरा, कानपुर के स्कूलों को भेजा ईमेल; लिखा- आपके बच्चों को मरना ही होगा

मेरठ। यूपी समेत देशभर के 159 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें आगरा, कानपुर मेरठ समेत कई जिलों के स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही यूपी पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें सक्रिय हो गई हैं।

सावधानी के तौर पर स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यह ईमेल मंगलवार दोपहर 1 बजे अचानक स्कूलों के ऑफिशियल मेल आईडी पर आया है। मेल कहां से आया है किसने इसे भेजा है इसकी जांच की जा रही है।

ई-मेल में किया गया है हिंसक भाषा का प्रयोग

ईमेल में काफी हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। जिससे डर पैदा। इसमें लिखा है, हैलो, मैं आपको यह बताने के लिए लिख रहा हूं कि मैंने स्कूल की बिल्डिंग में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राइनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। ईमेल में आगे लिखा है कि विस्फोटक काफी कुशलता से रखे गए हैं और कोई भी जिंदा नहीं बचेगा।

यूपी के मेरठ, कानपुर, आगरा समेत कई जिले शामिल

मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र के सत्यकाम इंटरनेशनल स्कूल, मेडिकल थाना क्षेत्र के केएल इंटरनेशनल स्कूल सहित मेरठ सिटी पब्लिक स्कूल को भी मेल आया है। इसके अलावा कानपुर, आगरा सहित कोलकाता और तमाम शहरों के स्कूलों को मेल भेजा गया है।

स्कूल प्रबंधक बोले- पुलिस व प्रशासन को दी गई है सूचना

वहीं मेरठ स्कूल्स सहोदय काम्प्लेक्स के अध्यक्ष राहुल केसरवानी के अनुसार स्कूलों की ओर से पुलिस व प्रशासन को धमकी भरे ई-मेल की जानकारी दे दी गई है। 24 तक मेरठ के स्कूल व रास्ते बंद होने से अधिकतर लोग शहर से बाहर हैं।

ई-मेल आने की जानकारी मिलने के बाद एक-दूसरे से चर्चा के दौरान जानकारियां मिल रही हैं। यह ई-मेल स्पैम में आया था जिसकी सूचना मिलने के बाद सभी स्कूल अपने स्पैम भी चेक कर रहे हैं।

मेल में ये लिखा है हूबहू पढ़िए...

नमस्ते। हम आपको यह बताने के लिए लिख रहे हैं कि हमने बिल्डिंग के अंदर कई बम (पेंटाएरिथ्रिटोल टेट्रानाइट्रेट) रखे हैं। विस्फोटकों को बहुत ही कुशलता से छिपाया गया है। आप सभी मरेंगे। आपके बच्चों को मरना ही होगा।

आप एक खुशहाल जीवन जीने के लायक नहीं हैं। स्कूल खून-खराबे में बदल जाएगा। यह संदेश भारत के हर स्कूल के लिए है, न कि केवल प्राप्तकर्ताओं के लिए। इस संदेश को बेहद गंभीरता से लें। आपके बच्चे अपने अंग या अपनी जान खो देंगे और हम खुशी से समाचार देखेंगे और परिवारों को पीड़ित होते देखेंगे। यह समय है कि भारत हमारे दुख को महसूस करे। हम अपने जीवन से नफरत करते हैं और हम बच्चों को मार देंगे क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इस आतंकवादी हमले के लिए रोडकिल और साइलेंस जिम्मेदार हैं।

माहौल बिगाड़ने के लिए भेजी गई है मेल

मेरठ एसएसपी विपिन ताड़ा का कहना है कि प्राथमिक जांच में लग रहा है कि माहौल बिगाड़ने के लिए इस तरह की मेल भेजी गई। स्कूलों को दोपहर लगभग 1 बजे ये ईमेल आया है। इसमें मेरठ के करीब 10 स्कूल शामिल हैं। ई-मेल में स्कूल कैंपस में बम रखे होने की धमकी दी गई है।

मेरठ के डीआईजी कलानिधि नैथानी का कहना है कि स्कूलों को दोपहर में एक धमकी भरा ईमेल आया है। उस मैसेज की जांच पुलिस टीम और साइबर टीम कर रही हैं। वो मेल कहां से आया? किसने भेजा इसकी जांच कर रहे हैं?

व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। मंगलवार को भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल ने ललितपुर में सीमेंट फैक्ट्री लगा कर बजाज पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई एश (राख) का निस्तारण करने व पलायन रोककर नवीन रोजगार सृजित करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

जनपद ललितपुर प्रदेश की आखिरी सिरे पर तथा मध्य प्रदेश से घिरा है हमारे जनपद में खनिज संपदा व वनौषधि भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, वाबजूद इसके जनपद में कोई भी भारी उद्योग स्थापित नहीं है जिसको संज्ञान में लेते हुए प्रदेश की लोकप्रिय सरकार द्वारा क्षेत्र से पलायन रोकने व रोजगार सृजन की तरफ़ पहल करते हुए जनपद को बल्क ड्रग पार्क का तोहफा प्रदान किया गया है तथा इसी क्रम में हमारे जनपद में पूर्व से ही

बजाज ग्रुप का तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र ललितपुर पॉवर जनरेशन प्रा. लि. स्थापित है, जो कि झांसी जिले में स्थापित पारीछा तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र 1140 मेगावाट (वर्तमान में 920 मेगावाट कार्यरत) से लगभग दुगना बड़ा 1960 मेगावाट क्षमता का है, यह संयंत्र लगभग दो ट्रेन कोयला प्रतिदिन उपयोग करते हुए काफी मात्रा में फ्लाई एश (राख) उत्सर्जित करता है, जिसके निस्तारण का कोई ठोस उपाय अमल में नहीं लाया गया है जिससे हमारे जनपद का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, व जमीनें बंजर हो रही है चूंकि प्लांट से उत्सर्जित होने वाली फ्लाई एश सीमेंट निर्माण का प्रमुख घटक हैं, सीमेंट उत्पादन में इसका उपयोग 15 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक होता है, देशभर में जहा भी कोयला आधारित पॉवर प्लांट लगे हैं उनके नजदीक सीमेंट फैक्ट्री लगी हुई है, झांसी में भी पारीछा तापीय विद्युत संयंत्र से उत्सर्जित होने वाली फ्लाई एश के निस्तारण हेतु सीमेंट निर्माण संयंत्र स्थापित हैं, जिससे झांसी शहर का पर्यावरण सुरक्षित है अत: श्रीमान जी से अनुरोध हैं कि ललितपुर पॉवर प्लांट से उत्सर्जित फ्लाई एश के निस्तारण हेतु सीमेंट निर्माण संयंत्र स्थापित किया जाए।

विवेचना में लापरवाही पर दो उपनिरीक्षक लाइन हाजिर

देवरिया। देवरिया के पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने मंगलवार को प्रशासनिक कार्रवाई की। उन्होंने दो उपनिरीक्षकों को लाइन हाजिर किया। साथ ही दो निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक विवेक यादव को लाइन हाजिर किया गया। थाना बघौचघाट में तैनात उपनिरीक्षक विकास विश्वकर्मा को भी लाइन भेजा गया। दोनों अधिकारियों पर विवेचना में लापरवाही का आरोप था। जिसके बारे में पीड़ित ने एसपी से शिकायत किया था। मुकदमों को निपटाने के लिए एसपी ने पिछले दिनों सख्त निर्देश दिया था। निरीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया।

परिजनों के डांटने पर छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के थाना अरांव क्षेत्र के गांव नगला जवाहर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 12 वर्षीय छात्र सचिन ने होमवर्क न करने पर डांट खाने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सचिन कक्षा 7 का छात्र था। शाम को परिजनों ने उसे होमवर्क न करने को लेकर डांट लगाई थी। इसके बाद परिजन खेत पर काम करने चले गए। परिजनों की डांट से नाराज होकर सचिन ने कमरे में अकेले में फांसी लगा ली। जब परिजन खेत से वापस लौटे तो उन्होंने सचिन को फांसी पर लटका हुआ पाया। इस घटना से पूरे परिवार में शोक की लहर है। पुलिस

मामले की जांच कर रही है। छात्र के पिता ने बताया स्कूल का काम ना करने पर उन्होंने उसकी डांट फटकार लगाई थी। साथ ही स्कूल होमवर्क करने के लिए कहा था। उसके बाद वह खेत पर चले गए थे। जब वह वापस लौट कर आए तो उसका शव फंदे पर लटका हुआ मिला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

रायबरेली में केमिकल से भरा टैंकर पलटा : एक व्यक्ति की मौत

रायबरेली। रायबरेली के खींरों थाना क्षेत्र अंतर्गत सेमरी चौराहे पर मंगलवार शाम की केमिकल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे हादसे में जगदीश पुत्र अयोध्या की मौके पर मौत हो गई। वहीं जबकि तीन युवक गंभीर रूप से झुलस गए।

धुएं का गुबार और चीख-पुकार

टैंकर पलटते ही इलाके में तेज और ज़हरीले धुएं का गुबार फैल गया। लोगों की आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत शुरू हो गई। कई राहगीर जान बचाकर इधर-उधर भागे। घटना के तुरंत बाद पूरे सेमरी चौराहे पर चीख-पुकार मच गई।

मृतक और घायलों की पहचान

मृतक की पहचान जगदीश पुत्र अयोध्या निवासी मारघाटिन का पुरवा के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल युवकों में संदीप पुत्र जगदीश, ओम जी पुत्र रामदेव, प्रियांशु पुत्र तेज प्रताप शामिल हैं। तीनों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

चालक फरार, प्रशासन सतर्क

हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य में जुट गईं। साथ ही, केमिकल की प्रकृति और उसके प्रभाव को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। फायर ब्रिगेड और केमिकल विशेषज्ञों की टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है।

प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में टैंकर का ब्रेक फेल होना या ओवर स्पीड संभावित कारण माने जा रहे हैं। साथ ही केमिकल की प्रकृति और उसके प्रभाव की भी जांच की जा रही है।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की तृतीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

ललितपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में ललितपुर में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में माह जुलाई 2025 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के सफल संचालन हेतु तृतीय अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ललितपुर डा0 इम्तियाज अहमद ने अभियान की संक्षिप्त रुप रेखा प्रस्तुत करते हुए बताया की संचारी से सम्बन्धित विभागों ने तृतीय सप्ताह में अपनी कार्ययोजनानुसार कार्य किया है। पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा0 सौरभ सक्सेना द्वारा विभागों द्वारा किए गये कार्यों की विभागवार तृतीय सप्ताह की उपलब्धि/फीडबैक रिपोर्ट प्रस्तुत की इन गतिविधियों के माध्यम से जनपद वासियों को वेक्टर जनित रोगों से बचाव व उपचार के बारे में जागरूक किया जायेगा। साथ ही सम्बन्धित विभिन्न विभागों से नियमित सम्पर्क एवं समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाया जायेगा। उन्होनें सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से पूर्ण मनोयोग से कार्य करने के लिए कहा।

जिला मलेरिया अधिकारी ललितपुर श्री अनिल क्रिस्टोफर मैसी ने संचारी रोगों के बारे में सभी सम्बन्धित विभागों को अवगत कराते हुए बताया कि पंचायती राज विभाग/नगर विकास विभाग को वेक्टर जनित रोगों की हाईरिस्क क्षेत्रों की सूची उपलब्ध करा दी गयी है जिसके अनुरूप सभी सम्बन्धित विभाग अग्रतर कार्यवाही इन गॉवों में अभियान चलाकर साफ-सफाई, जैसे-गढ्ढों को मिट्टी से भरा जाये, झाड़ियों की कटाई की जाये, रूके हुए पानी की निकासी की जाये, नालियों की साफ-साफई की जाये, लार्वानाशक दवा का छिड़काव किया जाये, सभी ब्लॉकों पर पर्याप्त मात्रा में लार्वीसाइड दवा प्राप्त करा दी गयी है तथा तीनों नगर पंचायतों एवं नगर पालिका को भी लार्वीसाइड दवा टैमीफॉस प्राप्त करायी है, तत्क्रम में जिला पंचायती राज विभाग के सफाई कर्मचारियों के द्वारा गॉव में लार्वानाशक दवा का छिड़काव किया जायेगा। जिससे संचारी रोगों से होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने निर्देशित किया की पंचायती राज विभाग की गतिविधि नालियों की सफाई, शिक्षा विभाग की गतिविधि बच्चों को मच्छर जनित बीमारी जे0ई0/ए0ई0एस0 की जानकारी, आई0सी0डी0एस0 की गतिविधि आंगनबाड़ियों द्वारा गृह भ्रमण एवं स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियां आशा घर-घर भ्रमण, बुखार से पीड़ित रोगियों को त्वरित उपचार एवं संदर्भिकरण के बारे में शिक्षित करना, सी0एच0ओ0/ए0एन0एम0 द्वारा यू0डी0एस0पी0 पोर्टल पर डाटा दर्ज करना, आशाओं द्वारा परिवारों को चूहों, छछूंदर एवं झाड़ियों से फैलने वाली बीमारी स्क्रबटाइफस के बारे में जानकारी देना राज्य औसत से कम पाये जाने पर विकास खंड बार, मड़ावरा, बिरधा, महरौनी को पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य करने की शैली पर असंतोष व्यक्त किया गया एवं सभी सम्बन्धित विभागों को पत्र जारी कर, कार्य कराये जाने का प्रमाण पत्र मांगा गया है। सभी विभाग अपनी गतिविधियों से सम्बन्धित माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करना सुनिश्चित करें जिससे जनपद का फीडबैक एवं रैंकिंग राज्य स्तर पर उच्च स्थान पर रहे एवं पिछली कमियों को दूर करते हुए इस अभियान में सभी गतिविधियाँ माइक्रोप्लान के अनुसार गुणवत्ता शत-प्रतिशत पूर्ण करायें। अभियान में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये।

खैबर पख्तूनख्वा सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी ने हासिल की छह सीटें

- प्रांतीय विधानसभा के 145 सदस्यों के मतदान से संपन्न हुआ चुनाव

पेशावर (एजेंसी) ।खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए सीनेट चुनाव में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जबरदस्त जीत दर्ज की है। 11 में से छह सीटें पीटीआई ने जीतीं, जबकि विपक्षी दलों को पांच सीटें मिलीं। यह चुनाव प्रांतीय विधानसभा के 145 सदस्यों के मतदान से संपन्न हुआ। सात सामान्य सीटों पर हुए चुनाव में पीटीआई ने चार सीटें जीतीं। मुराद सईद, फैसल जावेद, मिर्जा अफरीदी और नूरुल हक कादरी ने पीटीआई के लिए सफलता सुनिश्चित की। विपक्षी दलों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नियाज अहमद, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के तल्हा महमूद और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के अता-उल-हक ने तीन सामान्य सीटें जीतीं। महिला आरक्षित सीटों पर भी पीटीआई ने अपना दबदबा कायम रखा। पार्टी की रुबीना नाज ने महिला आरक्षित सीट पर जीत दर्ज की, वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की रुबीना खालिद ने दूसरी महिला आरक्षित सीट जीती। इससे पीटीआई ने कुल छह सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि विपक्षी दलों को पांच सीटें मिली हैं। प्रांतीय चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि मतदान पूरी निष्पक्षता और शांति के साथ संपन्न हुआ। सभी 145 प्रांतीय सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव परिणाम से स्पष्ट होता है कि खैबर पख्तूनख्वा में इमरान खान की पार्टी का प्रभाव मजबूत बना हुआ है। यह जीत पीटीआई के लिए बड़े राजनीतिक फायदे लेकर आ सकती है, खासकर आगामी राष्ट्रीय और प्रांतीय चुनावों की तैयारी के लिहाज से। विपक्षी दलों के लिए यह चुनौती बनी रहेगी कि वे अपने आधार को और मजबूत करें। कुल मिलाकर खैबर पख्तूनख्वा के इस सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी ने अपनी स्थिति मज़बूत कर दिखाई है, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव डाल सकती है।

मधुमक्खियों को बचाने सरकार के विरोध में खड़े हुए 10 लाख लोग

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में मधुमक्खियों को बचाने के लिए 10 लाख लोगों ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है। दरअसल, सरकार मधुमक्खियों को मारने वाले कीटनाशक एसेटामिप्रिड को मंजूरी देने वाला नया कानून ला रही है। लाखों लोगों ने इस कानून को वापस लेने की मांग करते हुए एक ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर किए। यह कीटनाशक 2018 से फ्रांस में प्रतिबंधित है, लेकिन अब डुपलोंब कानून के तहत इसे फिर से अनुमति देने का रास्ता खोला गया है। गौरतलब है कि जून के अंत में कानून पारित होने से पहले पूरे फ्रांस में किसान, पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक सड़कों पर उतरकर इसका विरोध कर चुके हैं। यह याचिका 23 वर्षीय मास्टर्स छात्रा एलेनोर पैटेरी ने 10 जुलाई को शुरू की थी, जो खुद को ꖴपर्यावरणीय विशेषज्ञꖴ बताती हैं। याचिका को फिल्म कलाकारों, वामपंथी सांसदों और नागरिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। शनिवार और रविवार के बीच ही इसमें 5 लाख से ज्यादा हस्ताक्षर जुटाए गए। विरोध करने वालों का कहना है कि यह कानून पर्यावरण, जैव विविधता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और जलवायु नीति के खिलाफ सीधी चोट है। इन लोगों के मुताबिक, एसेटामिप्रिड ꖴबी-कीलरꖴयानी मधुमक्खियों का हत्यारा है, जबकि वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके इंसानों पर असर को लेकर भी गंभीर चिंता है, हालांकि इस पर व्यापक शोध अभी नहीं हुआ है। वहीं, इस कानून के समर्थकों का कहना है कि किसान पहले से ही अत्यधिक नियमों से दबे हुए हैं और यह कानून उनकी समस्याओं को कम करने में मदद करेगा। विशेष रूप से बीट और हेज़लनट की खेती करने वाले किसानों को कीट नियंत्रण के लिए इसका विकल्प नहीं मिल रहा है। फ्रांस की नेशनल असेंबली की स्पीकर याएल ब्रॉन-पिवे ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह कानून को वापस नहीं लेंगी क्योंकि यह ꖴहमारे कुछ किसानों को बचा सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि 5 लाख हस्ताक्षरों के आंकड़े को पार करने पर इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस जरूर हो सकती है, लेकिन कानून को पलटना संभव नहीं होगा क्योंकि यह पहले ही संसद से पारित हो चुका है।

जर्मनी में जन्म दर पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर पर

-यह देश के आर्थिक और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी जनसांख्यिकीय चुनौती का सामना कर रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना से लेकर आर्थिक भविष्य तक को प्रभावित कर सकती है। ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक 2024 में जर्मनी की कुल प्रजनन दर 1.35 बच्चे प्रति महिला पर आ गई है, जो पिछले दो दशकों का सबसे न्यूनतम स्तर है। यह देश के आर्थिक और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर संकेत है। 2024 में कुल 6,77,117 बच्चों का जन्म हुआ, जो 2023 की तुलना में 15,872 कम हैं। इसमें 2 फीसदी की गिरावट आई है, हालांकि यह गिरावट 2022 और 2023 की तुलना में थोड़ी धीमी है, जब जन्म दर में क्रमशः 8फीसदी और 7फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। जन्म दर में यह गिरावट पूरे देश में समान नहीं है। पूर्वी जर्मनी का थुरिंगिया राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जहां जन्म दर में 7फीसदी की गिरावट आई और यह घटकर 1.24 तक पहुंच गई। इसके विपरीत दक्षिण-पश्चिमी राज्य बाडेन-वुर्टेमबर्ग में यह गिरावट केवल 1फीसदी रही और जन्म दर 1.39 रही। यह अंतर जर्मनी के क्षेत्रीय सामाजिक और आर्थिक ढांचे की असमानताओं को उजागर करता है। 2024 में माताओं की औसत आयु 31.8 वर्ष और पिताओं की 34.7 वर्ष रही, जो 2021 से स्थिर बनी हुई है। पहली बार माता-पिता बनने वालों की औसत आयु भी बढ़कर क्रमशः 30.4 और 33.3 वर्ष हो गई है, जिससे यह साफ होता है कि युवा अब बच्चे पैदा करने में देरी कर रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जन्म दर में गिरावट के पीछे महामारी, यूक्रेन युद्ध, महंगाई और जलवायु परिवर्तन जैसे कई जटिल कारण हैं, जिन्होंने लोगों के जीवन की प्राथमिकताओं को बदल दिया है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता आज: जेलेंस्की और पुतिन के बीच सहमति को लेकर संशय

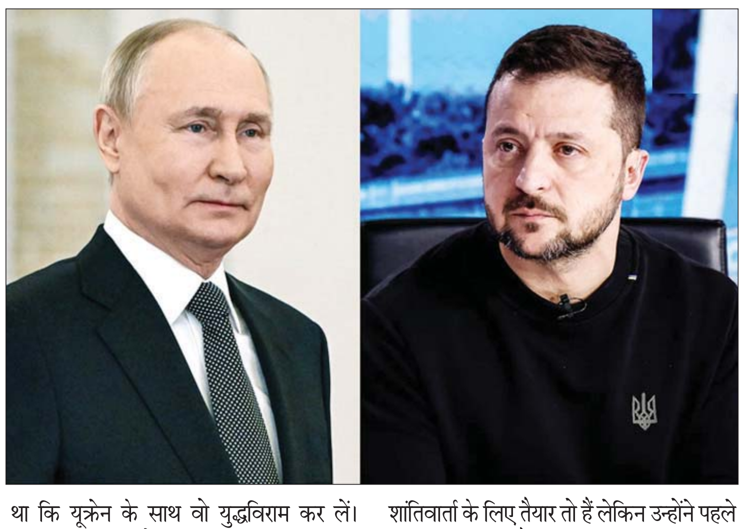

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति को लेकर दो बार बैठकें हो चुकी हैं। नतीजा जहां का तहां है। अब तीसरी बार नए दौर की बैठक बुधवार को इस्तांबुल में होने जा रही है। नतीजा क्या होगा ये कोई नहीं जानता। यह वार्ता इस्तांबुल में पहले हुई दो दौर की बैठकों के बाद हो रही है। बता दें कि दोनों ही बैठकों में युद्ध खत्म करने को लेकर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को अपने संबोधन के दौरान यह जानकारी दी थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि आज मैंने यूक्रेनी सुरक्षा परिषद प्रमुख] रुसतेम उमेरोव के साथ कैदियों की अदला-बदली और रूस के साथ तुर्की में होने वाली आगामी बैठक की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उमेरोव ने बताया कि यह बैठक बुधवार को प्रस्तावित है।

बता दें इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन क अल्टीमेटम दिया था कि यूक्रेन के साथ वो युद्धविराम कर लें। हालांकि रूस की ओर से जवाब आया था कि उन्हें धमकियों की परवाह नहीं है। किसी तरह पुतिन शांतिवार्ता के लिए तैयार तो हैं लेकिन उन्होंने पहले ही साफ कर दिया है - हम इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं लेकिन अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि रूस की मीडिया ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से दावा किया है कि यह वार्ता गुरुवार को आयोजित की जाएगी। इससे पहले सोमवार को क्रेमलिन ने पुष्टि की कि एक और दौर की वार्ता की योजना बनाई जा रही है, लेकिन अभी सटीक तारीखों की सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है।

जेलेंस्की ने वार्ता का प्रस्ताव शनिवार को रखा था, जब रूस के हवाई हमलों से एक बार फिर यूक्रेन के कई हिस्सों में तबाही मची थी। इसके बाद ही क्रेमलिन ने उम्मीदों पर लगाम लगाते हुए कहा कि 'इस वार्ता से पहले अभी भी बहुत सारा कूटनीतिक कार्य बाकी है। जहां यह वार्ता रूस-यूक्रेन संघर्ष में संभावित समाधान की एक नई उम्मीद के रूप में देखी जा रही है, वहीं रूस का रुख बता रहा है कि वो किसी सकारात्मक निर्णय की ओर जाने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं ले रहा है। वो बात अलग है कि वार्ता से पहले ही पश्चिमी देशों ने रूस को और अधिक प्रतिबंधों की धमकी दे रखी है।

थॉमस बैरक का बेरूत दौरा..लेबनान की संप्रभुता तथा शांति प्रक्रिया को लेकर दिया बयान

वाशिंगटन। अमेरिकी विशेष दूत थॉमस बैरक ने बेरूत का दौरा किया और लेबनान की संप्रभुता तथा शांति प्रक्रिया को बनाए रखने में अमेरिका के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका इजरायल को किसी बात के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बैरक ने कहा कि अमेरिका की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वह इजरायल को बाध्य करे, लेकिन वह अपने कूटनीतिक प्रयासों से संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बैरक ने स्वीकार किया कि लेबनान और इजरायल के बीच हुआ सीजफायर समझौता प्रभावी नहीं हो पाया, और इसकी विफलता के कारणों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास जारी हैं। बैरक ने कहा कि हिजबुल्लाह का निरस्त्रीकरण पूरी तरह से एक आंतरिक मामला है, लेकिन वॉशिंगटन इस दिशा में लेबनानी सरकार के साथ काम करने को तैयार है। लेबनान का ज्ञापन- लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी राजदूत को एक मसौदा ज्ञापन सौंपा, जिसमें 27 नवंबर 2024 से इजरायल के साथ प्रभावी हुए युद्धविराम के बाद लेबनान की प्रतिबद्धताओं का विवरण दिया गया है। इसमें लेबनान की पूरी भू-भाग पर राज्य की संप्रभुता लागू करने और हथियारों के स्वामित्व को केवल लेबनानी सेना तक सीमित रखने की मंशा दोहराई गई है। अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के बावजूद, इजरायली सेना ने समय-समय पर लेबनान में हमले किए हैं, यह दावा करते हुए कि ये हमले हिजबुल्लाह के खतरों को खत्म करने के लिए किए गए। इजरायल ने 18 फरवरी तक पूरी तरह वापसी की समय-सीमा के बावजूद लेबनानी सीमा क्षेत्र में पांच प्रमुख ठिकानों पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है।

बड़ी चाल की आहट: अगस्त में हर बार बीजिंग से गायब हो जाते शी जिनपिंग?

बीजिंग (एजेंसी)। हर साल अगस्त महीने में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग राजधानी बीजिंग से गायब हो जाते हैं। इस बार भी वे गायब होने वाले हैं।माना जा रहा है कि वो समुद्री रिसॉर्ट बेदाईहे में पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। लेकिन अंतरराष्ट्रीय हलकों में उनके हर साल के इस तरह गायब हो जाने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं, क्या ये एक सामान्य परंपरा है, या उनकी सत्ता पर खतरे की आहट? बीजिंग से करीब तीन घंटे की दूरी पर स्थित बेदाईहे, सिर्फ छुट्टियां मनाने की जगह नहीं, चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियां यहां तय होती हैं। माओत्से तुंग के समय से ही पार्टी के शीर्ष नेता यहां हर गर्मी में जुटते हैं। लेकिन इस बार माहौल अलग है।

हर साल अगस्त में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता बेदाईहे रिट्रीट में सीक्रेट समर मीटिंग में जाते हैं, लेकिन इस बार बहुत कुछ अलग है। ताइवान के साथ तनाव चरम पर है तो अमेरिका से निपटना भी है। घर में बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है। रियल स्टेट ढहने की कगार पर है। ऐसी हालत में राष्ट्रपति का अचानक ओझल हो जाना असामान्य माना जा रहा है। 2023 में भी इसी समय शी अचानक सार्वजनिक मंचों से दूर हुए थे, जिसके कुछ ही हफ्तों बाद चीन ने अपने रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को बर्खास्त कर दिया था। इस बार भी कोई पलटवार तो नहीं? 2025 में चीन घरेलू आर्थिक संकट, युवाओं में बेरोजगारी, संपत्ति बाजार की गिरावट और वैश्विक दबावों का सामना कर रहा है। इसके साथ ही, शी जिनपिंग के करीबी सहयोगियों के हटाए जाने या गायब होने की खबरों ने भी हलचल मचा दी है। पिछले वर्ष पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग और रक्षा मंत्री ली शांगफु को अचानक पदों से हटाना और उनकी लंबी चुप्पी ने यह सवाल खड़ा कर दिया था कि पार्टी के भीतर कुछ उथल-पुथल चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शी, जिन्होंने 2022 में तीसरा कार्यकाल लेकर खुद को सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित किया है, अब शायद फंसते दिख रहे हैं।

ईरान के अड़ियल तेवर पर भड़का अमेरिका, ट्रंप ने कहा- जरुरत पड़ी तो करेंगे हमला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के अड़ियल तेवरों से अमेरिका काफी खफा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि ईरान का रवैया नहीं सुधरा और जरुरत पड़ी तो हमला करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान दोबारा परमाणु हथियार बना रहा है और उन्होंने भविष्य में ईरान पर और हमलों की धमकी दी है। अमेरिका पहले ही 21 जून को ईरान के प्रमुख न्यूक्लियर सेंटर्स को अपने सबसे घातक बंकर बर्स्टर बम से निशाना बना चुका है, जिससे ईरान के परमाणु हथियार बनाने की मंशा को तगड़ा झटका लगा था। इसके एक महीने बाद एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को ये धमकी दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण न करे, क्योंकि उनके अनुसार हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों ने ईरान की साइट्स को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में ये बात कही थी कि फिलहाल परमाणु कार्यक्रम को इसलिए रोका गया है क्योंकि नुकसान बेहद गंभीर है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि संवर्धन कार्यक्रम को नहीं छोड़ सकते क्योंकि यह हमारे अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धि है। उन्होंने इसे ईरान के राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा। डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान तब दिया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने माना कि अमेरिका के जून में किए गए सैन्य हमलों से ईरान की परमाणु सुविधाएं बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं और यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह से रुक गया है। हालांकि इसके साथ ही अराघची ने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो ईरान इसे फिर से करेगा।

ईरान के विदेश मंत्री के इस बयान के बाद भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा- ईरान के विदेश मंत्री, अब्बास अराघची, ईरान के परमाणु स्थलों पर कहा कि 'नुकसान बहुत ज्यादा है, वे नष्ट हो गए हैं' बिल्कुल वैसा ही, जैसा मैंने कहा था और जरूरत पड़ने पर हम फिर से ऐसा करेंगे !

ट्रंप के करीबी की चेतावनी : भारत, चीन और ब्राजील पर इतने टैरिफ लगाएंगे कि इकोनॉमी क्रैश हो जाएगी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और प्रभावशाली सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भारत, चीन और ब्राजील को रूस के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर इन देशों ने रूस से तेल की खरीद बंद नहीं की, तो अमेरिका भारी टैरिफ लगाकर इनकी अर्थव्यवस्थाओं को तबाह कर देगा। एक इंटरव्यू के दौरान सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, कि अगर आप रूस से सस्ता तेल खरीदते रहेंगे, तो यह युद्ध कभी नहीं रुकेगा। हम आप पर इतना टैरिफ लगाएंगे कि आपकी इकोनॉमी क्रैश हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप प्रशासन इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि रूस से तेल आयात करने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। ग्राहम ने यह भी कहा कि भारत, चीन और ब्राजील रूस से करीब 80फीसदी तेल आयात कर रहे हैं, जिससे पुतिन को यूक्रेन युद्ध में आर्थिक मदद मिल रही है। उन्होंने इन देशों पर यह आरोप भी लगाया कि इनकी वजह से यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच रहा है।

पुतिन पर तीखा हमला- ग्राहम ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी जमकर लताड़ा। उन्होंने कहा, कि पुतिन उन देशों पर कब्जा करना चाहते हैं जिन पर उनका कोई अधिकार नहीं। उन्होंने यूक्रेन के साथ किया गया वादा तोड़ा, जिसके तहत यूक्रेन ने 1700 परमाणु हथियार त्याग दिए थे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अमेरिका यूक्रेन को इतने हथियार देगा कि वह मजबूती से पुतिन का मुकाबला कर सके। ग्राहम की यह चेतावनी आर्थिक दबाव के जरिए कूटनीतिक दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है। हालांकि भारत सहित कई देश इसे राष्ट्रीय हित का मामला मानते हैं और ऐसे अमेरिकी रुख को एकतरफा और दबाव की राजनीति कह सकते हैं। आने वाले समय में यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अहम भूमिका निभा सकता है।

पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता का दुरुपयोग: कश्मीर और ओआईसी का एजेंडा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मिलने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छवि चमकाने और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ने में लगा है। इसके तहत पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को नए सिरे से उठाने की तैयारी में है, साथ ही मुस्लिम देशों के संगठन (ओआईसी) को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मजबूत करने की भी कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है। इसी हफ्ते पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय खुली बहस होने वाली है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों के शांतिपूर्ण समाधान पर चर्चा होगी। इस दौरान पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाने की तैयारी में है। 1 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बयान जारी कर कश्मीर विवाद का हल ढूंढने की बात कही थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पाकिस्तान के इस कदम का मजबूती से जवाब देगा।

इसके अलावा, पाकिस्तान एक और मुहिम में लगा हुआ है, जिसके तहत वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को संयुक्त राष्ट्र में मजबूत करना चाहता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार की अध्यक्षता में होने वाली एक अन्य बैठक में ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी पर चर्चा होगी। ओआईसी , जिसकी स्थापना 1969 में हुई थी और जिसमें 57 सदस्य देश हैं, कश्मीर मुद्दे पर लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी करता रहा है, खासकर 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद।

भारत ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र के बीच इस तरह की साझेदारी को लेकर सहज नहीं है, क्योंकि ओआईसी का भारत के प्रति पूर्व का रवैया ठीक नहीं रहा है। माना जा रहा है कि भारत सुरक्षा परिषद में इस मुद्दे को उठाएगा। नवंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ओआईसी के साथ अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, मानवाधिकार, आतंकवाद विरोधी और मानवीय मुद्दों पर सहयोग का संकल्प लिया था।

मुल्ला मुनीर की पाकिस्तानी राजनीति में बढ़ती सक्रियता... भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों जनरल असीम मुनीर के सेना प्रमुख के रूप में बढ़ते दबदबे और संभावित राजनीतिक हसरतों को लेकर अटकलें तेज़ हैं, जिससे भारत के लिए कुछ चिंताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल में पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट होना कोई नई बात नहीं है, और देश के इतिहास का लगभग आधा हिस्सा सैन्य शासन के अधीन रहा है। वर्तमान में, मुल्ला मुनीर के राजनीतिक नेतृत्व को दरकिनार कर फ्रंट सीट हथियाने की खबरें इन अटकलों को बढ़ावा दे रही हैं कि वहां सत्ता पर कब्जा कर सकते हैं।

हाल के दिनों में जनरल मुनीर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, जबकि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ अभी तक ट्रंप से नहीं मिल सके हैं। मुल्ला मुनीर अब प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के बिना ही श्रीलंका और इंडोनेशिया की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे इन देशों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने वाले है। यह दिखाता हैं कि उन्हें पाकिस्तान में वास्तविक निर्णय लेने वाले नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर उन्हें जेल में कुछ होता है, तब इसके लिए जनरल मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

बात दें कि मुनीर हाल ही में फील्ड मार्शल बने हैं, जो पाकिस्तान के इतिहास में अयूब खान के बाद इस पद को पाने वाले दूसरे सैन्य प्रमुख हैं। अयूब खान देश के पहले तानाशाह बने थे, जिससे मुनीर के अगले अयूब खान बनने की चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। इस घटनाक्रम के बीच प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने चुप्पी तोड़कर कहा है कि जनरल मुनीर की राष्ट्रपति बनने की कोई योजना या इच्छा नहीं है। हालाँकि, पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए इस बयान पर कितना भरोसा किया जा सकता है, यह एक सवाल है। पाकिस्तान में हर दिन बदलते हालातों के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान प्रधानमंत्री शरीफ को नहीं, बल्कि मुनीर से ही पीछे हटने के लिए कहा था, जो दर्शाता है कि अमेरिका भी पाकिस्तान में उन्हें अहम मानता है।

भारत के लिए चिंता का कारण

अगर पाकिस्तान में सैन्य शासन प्रभावी होता है या सेना का दबदबा बढ़ता है, तब यह भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। सैन्य-प्रभुत्व वाला पाकिस्तान आमतौर पर भारत के लिए अच्छी खबर नहीं होती है, क्योंकि सैन्य नेतृत्व अक्सर भारत के प्रति अधिक आक्रामक रुख अपनाता है। क्योंकि जनरल मुनीर को ही पहलगाम आतंकी हमले के पीछे का मास्टरमांइड माना जाता है।

नॉर्डिक द्वीप की अंदरुनी हलचलों से लगातार होता है ज्वालामुखी विस्फोट

लंदन (एजेंसी)। उत्तर अटलांटिक में बसा नॉर्डिक द्वीप देश लगातार ज्वालामुखी विस्फोटों का गवाह बनता आ रहा है। इसका कारण इसकी अनोखी भौगोलिक स्थिति है। आइसलैंड को अक्सर 'आग और बर्फ की भूमि' कहा जाता है। यह नाम इसके ज्वालामुखी गतिविधियों से पूरी तरह मेल खाता है। आइसलैंड मध्य-अटलांटिक रिज पर स्थित है, जहां दो बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें उत्तरी अमेरिकी और यूरेशियन लगातार एक-दूसरे से दूर खिसक रही हैं। इस डायवर्जेंट प्लेट बॉउंड्री की वजह से पृथ्वी के अंदर का मैग्मा सतह की ओर उठता है और नई पपड़ी बनाता है। इसी प्रक्रिया के चलते यहां बार-बार ज्वालामुखी फटते हैं।

हाल ही में रेक्जेनेस प्रायद्वीप पर ऐसा ही एक विस्फोट हुआ, जो 2021 से अब तक का 12वां विस्फोट है। यह विस्फोट सुबह 3ः54 बजे हुआ, जब मैग्मा ने धरती की पपड़ी को चीरते हुए 700 से 1,000 मीटर लंबी दरार बना दी, जिससे लावा बाहर निकलने लगा। हालांकि यह अपेक्षाकृत छोटा विस्फोट था और इससे किसी बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं हुआ। आइसलैंड के ज्वालामुखी विस्फोटों की एक और प्रमुख वजह इसका एक स्थायी हॉटस्पॉट पर स्थित होना है। यह हॉटस्पॉट पृथ्वी के भीतर मेंटल का एक गर्म भाग है जो ऊपर की ओर उठता है। जब टेक्टोनिक प्लेटें इसके ऊपर से गुजरती हैं तो ज्वालामुखियों की श्रृंखलाएं बनती हैं। आइसलैंड में यह हॉटस्पॉट और टेक्टोनिक गतिविधि मिलकर विस्फोटों की तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़ा देते हैं।

इसके अलावा, आइसलैंड की सतह पर मौजूद ग्लेशियर भी एक अहम भूमिका निभाते हैं। जब ज्वालामुखी बर्फ के नीचे फटते हैं तो गर्म लावा और ठंडी बर्फ की टक्कर से बेहद खतरनाक विस्फोट होते हैं। इससे राख, गैस और पिघली बर्फ से बनी विनाशकारी बाढ़ यानी 'जोकुलहाप्स' उत्पन्न हो सकती है। इतिहास की बात करें तो आइसलैंड में 9वीं शताब्दी से ज्वालामुखी गतिविधियां रिकॉर्ड की जा रही हैं। 1783 का लाकी विस्फोट और 2010 का एजफ्याल्लाजोकुल विस्फोट न केवल देश पर बल्कि पूरे यूरोप और वैश्विक हवाई यातायात पर असर डाल चुके हैं।

खास बात यह है कि रेक्जेनेस प्रायद्वीप लगभग 800 वर्षों तक शांत था, लेकिन 2021 से यहां फिर से गतिविधि शुरू हो गई है। दिसंबर 2023 के बाद से यह नौवां विस्फोट हो चुका है, जिनमें से अधिकांश एक जैसे पैटर्न पर हुए हैं भूकंपीय झटके, मैग्मा का ऊपर उठना, दरार का खुलना और चमकते लावे का प्रवाह। इन प्राकृतिक घटनाओं के अपने खतरे हैं, जैसे हवाई उड़ानों पर असर

और बुनियादी ढांचे को नुकसान, लेकिन यह आइसलैंड के लिए अवसर भी लेकर आते हैं। भूमिगत गर्मी से जियोथर्मल ऊर्जा का दोहन यहां बड़े पैमाने पर होता है, जिससे देश की लगभग 25प्रतिशत बिजली और 90 प्रतिशत घरों की हीटिंग जरूरतें पूरी होती हैं।

भारतीय टीम ओल्ड ट्रेफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी।

सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉड्र्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है।

आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है।

इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। वहीं इस सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन कर लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा के ऊपर इस मैच में भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। उन्हें इस मैच में गेंदबाजी में भी विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अंतिम बार साल 2014 में खेला था। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम इंग्लैंड इस मैच में अपनी बढ़त बनाये रखना चाहेगा। मेजबान टीम ने अपनी टीम में केवल एक बदलाव के तौर पर स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को शामिल करना है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच जुलाई 2017 में खेला था। यहां पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। मेजबान टीम की बल्लेबाज जो रुट , हैरी ब्रुक और बेन डेकेट पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (उप-कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

–पीसीबी को होगा भारी नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा।

पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी वितरण से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजनाओं का एक प्रमुख आधार बना हुआ है।

पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की सालाना बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की इस बैठक के लिए अन्य देशों से सहयोग मांगा था पर बीसीसीआई ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है। ऐसे में अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप शायद ही हो पाये। जिसका सीधा नुकसान पीसीबी को होगा।

करुण नायर 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक लौटने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर मौजूद करुण नायर, कर्नाटक लौटने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन सीजन खेलने के बाद से वे कर्नाटक से बाहर हैं। पिछले दो सीजन से नायर विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्लह्रष्ट) मिल गया, जिससे उन्हें अपनी मूल राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति मिल गई।

नायर की वापसी ऐसे समय में हो रही है जब घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत उनकी लोकप्रियता में काफी वृद्धि हुई है। पिछले सीजन में विदर्भ के रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में उनकी अहम भूमिका रही थी, जिसकी बदौलत आठ साल के अंतराल के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में वापसी मिली। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए जिसमें चार शतक शामिल थे, जिसमें केरल के खिलाफ फाइनल में मैच जिताऊ शतक भी शामिल था। नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। 50 ओवर के टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने विदर्भ की कप्तानी की और टीम को उपविजेता बनाया।

उन्होंने आठ पारियों में 779 रन बनाकर स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें लगातार 5 शतक शामिल थे और 124.01 की शानदार बल्लेबाजी औसत के साथ बल्लेबाजी की। अपने शानदार प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बिना आउट हुए सर्वाधिक रन (542) बनाने का नया लिस्ट ए रिकॉर्ड बनाकर अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ ली।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10 स्थान के सुधार के साथ 23वें पायदान पर

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है।

दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन का योगदान दिया। सोफिया डंकले ने पहले वनडे में 92 गेंदों पर 83 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 24 स्थानों का फायदा हुआ। वह बल्लेबाजों की सूची में 52वें पायदान पहुंच गईं।

मंधाना पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं और उन्होंने अपनी 727 की रेटिंग भी बरकरार रखी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और सात के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन अपनी स्थिति और मजबूत करने में सफल रही। मौजूदा श्रृंखला में चार विकेट चटकाने वाली इस अनुभवी खिलाड़ी की रेटिंग 747 से बढ़कर 776 हो गयी है। वह दूसरे वनडे में तीन विकेट चटकाकर प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी थी।

गेंदबाजों की रैंकिंग में उनके बाद ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर (724) और मेगन शुट्ट (696) दूसरे और तीसरे पायदान पर है।। दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। इंग्लैंड की चार्ली डीन और भारत की स्नेह राणा जैसी स्पिनरों भी श्रृंखला में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए हैं। डीन करियर की सर्वश्रेष्ठ 625 रेटिंग के साथ दो स्थान चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि राणा 12 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं। राणा ने भी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 515 रेटिंग हासिल की है। डीन हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी सुधार कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं तो वहीं एक्लेस्टोन तीन स्थान के सुधार के साथ 18वें पायदान पर पहुंच गयी है।

इंजीनियर और लॉयड के सम्मान में ओल्ड ट्रैफर्ड में बने स्टैंड

मैनचेस्टर। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी रहे क्लाइव लॉयड के सम्मान में इनके नाम से स्टैंड रहेंगे। इंजीनियर और लॉयर्ड की पूर्व काउंटी टीम लंकाशर ने इन दोनों के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। इंजीनियर ने लगभग एक दशक तक लंकाशर की ओर से जबकि लॉयर्ड ने लगभग दो दशक तक क्लब से खेलते हुए अपनी ओर से अहम योगदान दिया। गौरतलब है कि साल 1968 से 1976 के बीच 87 वर्षीय इंजीनियर ने 175 मैचों में लंकाशर की ओर से 5942 रन बनाए, 429 कैच लिए और 35 स्टंपिंग की। वहीं दूसरी ओर दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के कप्तान लॉयड ने 1970 के दशक की एक क्लब की ओर से खेलते हुए उसे आगे बढ़ाया। मुंबई में जन्मे इंजीनियर ने लंकाशर के लिए जब पदार्पण किया तो क्लब ने 15 साल से अधिक समय तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था पर उनके शामिल होने के बाद उसने 1970 से 1975 के बीच चार बार जिलेट कप जीता था। गौरतलब है कि इंजीनियर ने अपना अधिकतर क्रिकेट ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला पर वहां उनके नाम पर कोई स्टैंड नहीं है। इंजीनियर ने कुछ साल पहले कहा था, 'वह अविश्वसनीय समय था और ओल्ड ट्रैफर्ड एक शानदार जगह थी। लोग हमें खेलते देखने के लिए मीलों दूर से आते थे। इंजीनियर को अपने सुनहरे दिनों में प्रशंसकों से मिले पत्र भी याद हैं।

अनुभवी खिलाड़ी होने की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे जडेजा

मुम्बई। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने करियर में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनके नाम कई उपलब्धियां भी हैं पर इसके बाद भी उन्हें वह दर्जा नहीं मिला जिसके वे अधिकारी रहे हैं। इंग्लैंड दौर पर वह सबसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी है। ऐसे में उन्होंने अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के दौर में खेलने के बाद भी उन्होंने अपनी एक अलग जगह बनायी थी। वहीं इनके संन्यास लेने के बाद वह टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंग्लैंड के इस दौरे में हालांकि उनकी गेंदबाजी सफल नहीं रही पर बल्लेबाजी से उन्होंने वह कमी पूरी कर दी। पिछले दिनों जब कप्तानी को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब कप्तानी का समय अब चला गया। उन्होंने बर्मिंघम में 89 और 69 रन की अर्धशतकीय पारियों से टीम की जीत अहम योगदान दिया तो वहीं अगले टेस्ट में दो और अर्धशतक जड़े। लॉड्र्स में वह अकेले ही टीम को लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में लगे रहे। उनका 61 रन का नाबाद स्कोर भारत को जीत के करीब ले गया। वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं और गेंदबाजी भी उनकी अच्छी रही है हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला। जडेजा टीम के युवा खिलाड़ियों को सलाह देते दिखे हैं। इसी कारण कप्तान शुभमन गिल ने जडेजा को टीम का सबसे समर्पित खिलाड़ी करार दिया। शुभमन ने कहा, ''वह भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में उनके पास जो अनुभव और कौशल हैं, वह बहुत दुर्लभ है। उन्होंने जिस तरह की एकाग्रता दिखाई वह भी आसाधारण रही है।''

सरफराज खान के वजन कम करने पर केविन पीटरसन ने पृथ्वी शॉ को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान इन दिनों काफी चर्चा में है, वजह है उनका वजन। दरअसल, टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने दो महीने के अंदर 17 किलो वजन कम किया है। जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वहीं केविन पीटरसन ने सरफराज खान की फोटो पृथ्वी शॉ को दिखाने की बात कही है।

दरअसल, सरफराज खान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के बाद से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हो गए हैं। सरफराज को ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ भी

सीरीज में मौका नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने टीम से बाहर रहकर जमकर पसीना बहाया है। सरफराज ने स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने 17 किलो वजन कम किया है। इसके बाद उनकी फिटनेस की चर्चा हर तरफ हो रही है।

इसी दौरान इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने सरफराज की इस फोटो को पृथ्वी शॉ को दिखाने के लिए कहा है। बता दें कि, पृथ्वी को खराब फिटनेस के कारण मुंबई की टीम ने ड्रॉप किया था। शॉ का वजन काफी बढ़ गया है।

पीटरसन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, शानदार एफर्ट, यंग मैन ! बहुत-बहुत बधाई और मुझे भरोसा है कि ये मैदान पर बेहतर और ज्यादा लगातार प्रदर्शन की ओर से जाएगा। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय कीं। कोई प्लीज ये पृथ्वी शॉ को भी दिखा दे। ये मुमकिन है, मजबूत शरीर, मजबूत दिमाग।

दिल्ली सरकार का तोहफा, ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं के नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल योजना को मंजूरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसले लिए गए। सूद ने कहा, 'आज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के विकास के साथ छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपए, दो करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को 7 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।' सूद ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार में स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ग्रुप ए की नौकरियां दी जाएंगी, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को ग्रुप बी की नौकरियां दी जाएंगी। सूद ने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री डिजिटल योजना के तहत युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अच्छे अंकों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 1,200 मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिए जाएंगे। इससे वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को लाभ होगा।'

बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में तोड़ सकते हैं अकरम के दो विश्व रिकार्ड

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह बुधवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। अब तक उन्होंने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में पांच-पांच विकेट लिए थे जबकि दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे। वहीं अब मैनचेस्टर में बुमराह के पास इतिहास रचने का अवसर होगा। वह इस मैच में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में एशियाई गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अकरम के नाम है। अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैचों में 53 विकेट लिए हैं जबकि बुमराह ने 49 विकेट लिए हैं। ऐसे में उन्हें अकरम के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 5 विकेट ही चाहिये। इंग्लैंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के साथ-साथ बुमराह इस मैच में पूर्व पाक तेज गेंदबाज का एक और रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बुमराह अगर मैनचेस्टर में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं तो वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी बुमराह और अकरम के नाम 11-11 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड है। अकरम ने 32 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी जबकि बुमराह ने अब तक 33 मैचों में 11 बार पांच विकेट लिए हैं। अब वह एक बार और पांच विकेट लेते ही अकरम को पीछे छोड़ देंगे। भारतीय टीम इस समय सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। ऐस में बुमराह इस मैच में जीत दिलाकर टीम को बराबरी पर लाना चाहेंगे।

पठान की चौथे टेस्ट से पहले बुमराह को सलाह, अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है।' उन्होंने कहा, 'जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं।'

बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।' पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं।

पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।' पठान ने कहा, 'अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया।'

बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने 5 विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात

विकेट के साथ किया। कुछ दिन पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने भी बुमराह के इस बड़े दौरे के सभी मैचों में नहीं खेलने पर नाराजगी जाहिर की थी।

पूर्व पाक क्रिकेटर बट ने कहा, तो विश्वकप और ओलंपिक में भी हमसे न खेले भारतीय टीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज सलमान बट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स मुकाबले में नहीं खेलने की आलोचना करते हुए कहा है कि अब उन्हें विश्वकप और ओलंपिक में भी ऐसा ही करना चाहिये। बट ने कहा कि इस प्रकार से वे क्या संदेश देना चाहते हैं। अगर ऐसा ही करना है तो उन्हें हमारे से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं खेलना चाहिये। यहां तक की ओलंपिक में भी नहीं। साथ ही कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये फैसला चार से पांच खिलाड़ियों के दबाव में किया है। इससे अन्य लोगों पर भी दबाव पड़ा और वे मैच से हट गये। इससे पहले पाक के ही पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी सहित कई खिलाड़ियों ने भी ऐसी ही बातें कहीं थीं। इससे पता चलता है कि भारतीय खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण लीग रद्द होने से पाक खिलाड़ी कितने बैचेन हैं। सलमान ने जिस प्रकार किसी रिटायर्ड प्लेयर्स की लीग में खेलने की तुलना आईसीसी इवेंट से की है। उससे उनकी और भी फजीयत होना तय है। क्योंकि आईसीसी इवेंट या ओलंपिक से किसी लीग की तुलना नहीं हो सकती है। लीग में खेलना देश का प्रतिनिधित्व करना है पर उस लीग में किया गया प्रदर्शन न तो आईसीसी के आंकड़ों में आता है और न ही उसका कहीं कोई महत्व है। जहां तक मैच रद्द होने की बात है। आयोजकों ने इसके लिए भारतीय खिलाड़ियों को दोषी नहीं मानते हुए कहा है कि खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद उन्हें ये रद्द करना पड़ा था।

एलआईसी ने बढ़ाई एसबीआई में हिस्सेदारी

- क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए 25,000 करोड़

नई दिल्ली । भारतीय सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए एसबीआई में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के तहत एलआईसी ने एसबीआई में 0.28 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है, जिससे उसकी कुल हिस्सेदारी अब 9.49 प्रतिशत हो गई है। एलआईसी के पास अब एसबीआई के 87.58 करोड़ शेयर हैं, जबकि इससे पहले वह 81.46 करोड़ शेयर (9.21 प्रतिशत हिस्सेदारी) का मालिक था। एलआईसी ने यह निवेश 817 प्रति शेयर की दर से किया है और कुल राशि बैंक को ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं एसबीआई ने क्यूआईपी के जरिए कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने इस प्रक्रिया में 30.59 करोड़ शेयर 817 प्रति शेयर की कीमत पर जारी किए। एसबीआई ने बताया कि इस फंड का उपयोग लोन ग्रोथ को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और कॉमन इक्विटी टियर-1 कैपिटल को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसबीआई ने छह निवेश बैंकों की मदद ली। इसके अलावा एसबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 में प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए लगभग 3 बिलियन डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दी है। जून में शेयरधारकों ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी।

सेबी ने डब्बा कारोबार को बताया अवैध

- निवेशकों को सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बार फिर डब्बा कारोबार को अवैध करार देते हुए निवेशकों को इससे दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में जारी किए गए बयान में सेबी ने कहा कि डब्बा कारोबार न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह निवेशकों के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम भी उत्पन्न करता है। डब्बा कारोबार दरअसल एक अवैध लेन-देन प्रणाली है, जिसमें ट्रेडिंग औपचारिक शेयर बाजार के बाहर होती है।

इसमें न तो असली शेयर खरीदे जाते हैं और न ही ब्रोकर सेबी द्वारा पंजीकृत होता है। यह कारोबार पूरी तरह नियामकीय निगरानी से बाहर होता है और निवेशक के पैसे के दुरुपयोग की पूरी आशंका होती है। सेबी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। हाल ही में एक समाचार पत्र में छपे डब्बा कारोबार को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए सेबी ने एनएसई के साथ मिलकर कई कदम उठाए हैं। संबंधित समाचार पत्र को नोटिस भेजा गया है और साइबर पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सेबी ने भारतीय विज्ञापन मानक परिषद से भी हस्तक्षेप करने को कहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी निवेशकों को चेताते हुए केवल सेबी-पंजीकृत ब्रोकर और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से ही ट्रेडिंग करने की सलाह दी है। सेबी ने कहा है कि वह निवेशकों की सुरक्षा के लिए सख्त नियामकीय और कानूनी कदम उठाता रहेगा।

वित्त वर्ष 2025 में बैंकों की नियुक्तियों में भारी गिरावट

- एआई और डिजिटल टैलेंट पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025 के दौरान देश के प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों द्वारा की गई नई नियुक्तियों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट खासकर खुदरा बैंकिंग से जुड़े क्षेत्रों में अधिक स्पष्ट रही है। नियुक्तियों में आई इस सुस्ती के पीछे कारोबार वृद्धि की धीमी गति, शाखाओं के सीमित विस्तार और बेहतर एट्रिशन रेट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में 49,713 लोगों को नियुक्त किया, जो पिछले वर्ष की 89,115 और वित्त वर्ष 2023 की 85,000 से अधिक नियुक्तियों की तुलना में काफी कम है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की भर्तियां भी गिरकर 1,770 रह गईं, जबकि 2024 में यह संख्या 10,661 और 2023 में 8,595 थी। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक ऐक्सिस बैंक ने भी इस वर्ष केवल 31,674 नियुक्तियां कीं, जो पिछले वर्ष की 40,724 से कम है। टीमलीज सर्विसेज़ के मुख्य कार्याधिकारी (स्टाफिंग) के अनुसार इस गिरावट के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक की सख्त मौद्रिक नीति एक बड़ा कारण रही है। उन्होंने बताया कि पर्सनल लोन, होम लोन, वाहन ऋण और गोल्ड लोन जैसे क्षेत्रों में ग्रोथ धीमी रही है, जिसके चलते बैंक नई भर्तियों के प्रति सतर्क हो गए हैं। एचडीएफसी बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि 2025 को सुदृढ़ीकरण का वर्ष माना गया। बैंक ने एआई के जरिए भर्ती प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाने, प्रतिभाओं की दक्षता बढ़ाने और लागत कम करने पर जोर दिया। इसके साथ ही रोजगार के लिए तैयार मॉडल को भी बढ़ावा दिया गया ताकि नई प्रतिभाओं को पहले दिन से काम के लिए तैयार किया जा सके। 2025 के अंत तक बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 2,14,521 रही।

सिंजेन्टा भारत के जरिये वैश्विक जैविक बाजार का नेतृत्व करने की तैयारी में

कंपनी की जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार करने की योजना

मुंबई । स्विट्जरलैंड की प्रमुख फसल संरक्षण कंपनी सिंजेन्टा ने आने वाले वर्षों में दुनिया की अग्रणी जैविक कंपनी बनने की उम्मीद जताई है। कंपनी के वैश्विक अध्यक्ष स्टीवन हॉकिन्स ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत उनके लिए एक महत्वपूर्ण और संभावनाओं से भरा बाजार है, हालांकि यहां की नियामक अनिश्चितता कृषि नवाचारों के विस्तार में बड़ी चुनौती बनी हुई है। हॉकिन्स के अनुसार फसल संरक्षण उद्योग में नई तकनीकों की मंजूरी और उपयोग में देरी किसानों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार हो ताकि नवाचारों को बढ़ावा मिल सके। सिंजेन्टा इस वर्ष भारत में कई नई जैविक और रासायनिक उत्पादों को लॉन्च करने जा रही है, जिनमें प्रमुख है 'टाइमिरियम', जो एक नया निमेटोसाइड और कवकनाशी है। इससे पहले कंपनी ने 'एडेपिडिन' (फफूंदनाशक) और 'प्लिनाजोलिन' (कीटनाशक) बाजार में उतारे हैं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर सफलता मिली है। कंपनी को 2025 में भारत में मध्यम स्तर की वृद्धि की उम्मीद है, जो महंगाई और मानसून की स्थिति पर निर्भर करेगी। हॉकिन्स ने यह भी बताया कि भारत की बाजार संरचना अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों की तुलना में अधिक संतुलित है, जिससे वितरण में कम समस्याएं होती हैं। सिंजेन्टा ने हाल ही में तेलंगाना में एक बीज स्वास्थ्य प्रयोगशाला स्थापित की है और वह भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत स्थानीय निवेश को भी बढ़ावा दे रही है।

चंदा कोचर दोषी करारः वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

- चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन किया

मुंबई । आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया मंगलवार को सात पैसे की गिरावट के साथ ही 86.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर शुल्क की अंतिम स्थिति को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार के लिए चिंता का विषय बनी है, जिससे मुद्राओं का कारोबार सीमित दायरे में हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.26 पर खुला जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह 86.29 प्रति डॉलर के स्तर को छू गया था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.29 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 97.88 पर आ गया।

एसबीआई ने अनिल अंबानी और आरकाम को किया फ्रॉड घोषित

- 3,000 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और इसके पूर्व प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर दिया है। यह जानकारी संसद में दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि 13 जून 2025 को एसबीआई ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट गाइडलाइंस और अपनी आंतरिक नीति के तहत यह कदम उठाया। बैंक ने 24 जून को आरबीआई को इसकी रिपोर्ट दी और अब मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की प्रक्रिया में है। एसबीआई के अनुसार आरकॉम पर 2,227.64 करोड़ का फंड आधारित लोन बकाया है। इसके अलावा 786.52 करोड़ की गैर-फंड आधारित बैंक गारंटी भी जारी की गई थी। इस तरह बैंक की कुल एक्सपोजर 3,014.16 करोड़ के करीब है, जिसे अब धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आरकॉम ने 30 जून 2025 को यह स्वीकार किया कि उसे एसबीआई से 23 जून को एक पत्र मिला, जिसमें फ्रॉड घोषित किए जाने की जानकारी दी गई थी। यह मामला न केवल बैंकिंग क्षेत्र के लिए चेतावनी है, बल्कि बड़े कॉरपोरेट घरानों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है।

भारत में विमानन कंपनियों पर सुरक्षा से ज्यादा प्रचार खर्च करने का आरोपः सर्वेक्षण

-सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया

मुंबई । लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए अखिल भारतीय ऑनलाइन सर्वेक्षण में करीब 76 प्रतिशत यात्रियों ने माना है कि भारत की कई विमानन कंपनियां यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की तुलना में प्रचार-प्रसार पर अधिक खर्च कर रही हैं। सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया, जिनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि पिछले तीन वर्षों में 64 प्रतिशत यात्रियों ने उड़ान के दौरान किसी न किसी प्रकार की कठिनाई का सामना किया है। इनमें उड़ान भरते या उतरते समय जटिल परिस्थितियां और तकनीकी समस्याएं शामिल हैं। हाल के दिनों में एयर इंडिया की बोइंग 787-8 विमान की अहमदाबाद से लंदन की उड़ान के तुरंत बाद दुर्घटना, जिसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की मौत हुई, ने देश में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा, कोच्चि-मुंबई उड़ान का रनवे से बाहर निकलना, दिल्ली-कोलकाता उड़ान का तकनीकी खराबी के कारण रद्द होना, गोवा से इंडिगो की उड़ान में लैंडिंग गियर की समस्या, तथा स्पाइसजेट की उड़ान में खिड़की का फ्रेम टूटना जैसी घटनाओं ने यात्रियों में भय और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा दिया है। सर्वेक्षण में सुरक्षा और प्रचार खर्च के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर 43 प्रतिशत ने माना कि सभी विमानन कंपनियां प्रचार पर अधिक खर्च करती हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने कहा कि कुछ कंपनियां ऐसा करती हैं। केवल 11 प्रतिशत ने कहा कि कोई भी ऐसा नहीं करता।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामूली गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 13.53 अंकों की हल्की गिरावट के साथ ही 82,186.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 29.80 अंक नीचे आकर 25,060.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए जबकि बची हुई 17 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से केवल 16 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आकर बंद हुए बंद हुए जबकि शेष 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये।

एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 10.56 फीसदी बढ़कर बंद हुए , वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.04 फीसदी की गिरावट रही।

आज टाइटन के शेयरों में 1.08 फीसदी, बीईएल 0.72 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.66फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.65 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.39 फीसदी व, बजाज फाइनेंस में 0.36 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 1.72 फीसदी, एसबीआई 1.12 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.08 फीसदी, एलएंडटी 1.07 फीसदी, आईटीसी 0.96 फीसदी, इंफोसिस 0.92 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी गिरा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स स्थिर रहा।

बाजार में गिरावट के ये कारण भी रहे

आज धातु के अलावा अन्य सभी सेक्टर गिरावट पर बंद हुए, जिनमें आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया और रियल्टी 0.5-1 फीसदी नीचे रहे। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जुलाई 2025 में भारतीय शेयर बाजार में नेट बिकवाल बन गए, जो लगातार तीन महीनों के निवेश के बाद एक विराम था। यह बदलाव एफपीआई ने वित्त वर्ष 26 की सकारात्मक शुरुआत के बाद आया है, जिसमें अप्रैल, मई और जून में 38,673 करोड़ रुपये का संचयी शुद्ध निवेश हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,527.43 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 25,166 अंक पर खुला। मंगलवार को बाजार खुलते ही बीएसई पर 10 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी जून तिमाही नतीजे जारी करने के बाद आई है। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को तेजी देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट में सोमवार को आई बढ़त से प्रेरित थी। अमेरिका के प्रमुख इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। निवेशक टैरिफ संबंधी चिंताओं के बावजूद कॉर्पोरेट आय के बारे में आशावादी बने रहे। जापान में सप्ताहांत में हुए चुनावों के बाद बाज़ारों के फिर से खुलने पर शेयर बाज़ारों में तेज़ी देखी गई।

इसमें सत्तारूढ़ दल ने उच्च सदन में अपना बहुमत खो दिया था। जापान का निक्केई इंडेक्स 1 प्रतिशत ऊपर था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स 0.60 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.05 फीसदी की बढ़त हुई। वहीं, एएसएक्स 200 बेंचमार्क में 0.12 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट सोमवार को दिन के कारोबार में मज़बूत तेज़ी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए।

वर्धा में जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने 43 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली । जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित अपनी परियोजना में 43 मेगावाट अतिरिक्त सौर क्षमता जोड़ने की घोषणा की। यह विस्तार 129 मेगावाट की हाइब्रिड विद्युत परियोजना का हिस्सा है, जिसकी कुल सौर क्षमता अब 103 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। कंपनी अपनी अनुषंगी संस्था, जुनिपर ग्रीन पावर फाइव प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को बिजली की आपूर्ति कर रही है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं में कंपनी के योगदान को दर्शाती है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी भारत की एक अग्रणी स्वतंत्र नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी है, जो सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं के विकास, निर्माण और संचालन पर केंद्रित है। यह विस्तार राज्य की ऊर्जा जरूरतों को हरित विकल्पों से पूरा करने में मदद करेगा।

सोने की कीमत में बीते 6 वर्षों में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी!

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार बीते छह वर्षों में सोने की कीमतों में करीब 200 प्रतिशत की तेजी आई है। मई 2019 से जून 2025 तक 10 ग्राम सोने की कीमत 30,000 से बढ़कर लगभग 1,00,000 के करीब पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने बताया कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन मौजूदा उच्च स्तर से आगे बढ़ने के लिए बाजार को नए महत्वपूर्ण कारकों की जरूरत है। फिलहाल कीमतों में स्थिरता या कंसोलिडेशन की संभावना बनी हुई है। सोना-चांदी के दामों में तेजी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन भी जारी रही। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी ताजा कीमतों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 790 बढ़कर 98,896 प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि 22 कैरेट सोना 90,589 और 18 कैरेट सोना 74,172 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी की कीमत 765 की बढ़ोतरी के साथ 1,13,465 प्रति किलो हो गई है। चांदी ने हाल ही में 14 जुलाई को 1,13,867 प्रति किलो का रिकॉर्ड तोड़ा था। ल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी के वायदा अनुबंध की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। सोने के अगस्त 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.67 प्रतिशत बढ़कर 98,685 और चांदी के सितंबर 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,14,001 हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल देखा गया। कॉमैक्स पर सोना 0.71 प्रतिशत बढ़कर 3,382.10 प्रति औंस और चांदी 1.16 प्रतिशत बढ़कर 38.91 प्रति औंस पर पहुंच गई। इस तरह, सोना-चांदी दोनों की कीमतें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं, लेकिन आगे की तेजी के लिए नए आर्थिक या राजनीतिक कारकों का उभरना आवश्यक है।

चीन में एप्पल को पछाड़ हुआवे बना नंबर-1 ब्रांड

मुंबई । चीन के स्मार्टफोन बाजार में 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कुल बिक्री में 2.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट पिछले साल की समान अवधि की तुलना में है। इस दौरान अमेरिकी कंपनी एप्पल की बिक्री में 1.6 फीसदी की कमी आई है, जबकि घरेलू ब्रांड हुआवे ने 17.6 फीसदी की तेज़ वृद्धि दर्ज की। अब हुआवे 18.1 फीसदी मार्केट शेयर के साथ चीन की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन गई है। हुआवे की मेटे सीरीज और उन्नत 5जी फोन्स ने बाजार में उसकी पकड़ मजबूत की है। साथ ही राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उसे सरकार और उपभोक्ताओं से व्यापक समर्थन मिल रहा है। दूसरी ओर एप्पल को अब स्थानीय ब्रांड्स से कड़ी टक्कर मिल रही है, खासकर प्रीमियम सेगमेंट में। झिओमी और हुआवे जैसे ब्रांड तेजी से आईफोन की जगह ले रहे हैं, जिससे एप्पल की चीन में स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा रही है।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ ने लॉन्च किए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड

न्यू फंड ऑफर 21 जुलाई से शुरू होकर 4 अगस्त को बंद होगा

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्युचुअल फंड ने निवेशकों के लिए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड्स लॉन्च किए हैं बीएसई 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड और बीएसई 500 क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड। इन दोनों योजनाओं का न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 21 जुलाई 2025 से शुरू होकर 4 अगस्त 2025 को बंद होगा। मोमेंटम इंडेक्स फंड उन 50 कंपनियों में निवेश करेगा जो बीएसई 500 इंडेक्स में शामिल हैं और जिनके शेयर हाल के महीनों में सबसे तेज़ी से बढ़े हैं। इसका मकसद तेजी से बढ़ते सेक्टर्स में अवसर तलाशना है। वहीं, क्वालिटी इंडेक्स फंड बीएसई 500 की उन कंपनियों में निवेश करेगा जिनकी बैलेंस शीट मजबूत है, रिटर्न ऑन इक्विटी अच्छा है और कर्ज़ कम है। यह फंड बाज़ार में गिरावट के समय भी स्थिरता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दोनों योजनाओं में न्यूनतम निवेश 500 से शुरू किया जा सकता है, और आगे निवेश 100 के गुणक में किया जा सकता है। एसआईपी की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसकी न्यूनतम राशि 500 प्रति माह या सप्ताह है। दोनों फंड्स का प्रबंधन प्रिया श्रीधर करेंगी।

फिल्म की री-रिलीज पर भड़के डायरेक्टर आनंद एल राय

बॉलीवुड की मच टॉक अबाउट रोमांटिक ड्रामा फिल्म रांझणा एक बार फिर सुर्खियों में है। लेकिन इस बार वजह न तो इसकी कहानी है और न ही इसका संगीत, बल्कि इस फिल्म का दोबारा रिलीज होना और उसमें किया गया एक बड़ा बदलाव है। जी हां फिल्म को एक बार फिर से रिलीज किया जा रहा है लेकिन इसे को-प्रोड्यूस करने वाले फिल्ममेकर आनंद एल राय ही इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं।

एआई की मदद से हुआ बदलाव

2013 में आई इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी। कुंदन और जोया की कहानी की भले ही हैप्पी एंडिंग ना हुई हो, लेकिन इसी दुखद अंत ने फिल्म को यादगार बना दिया था। अब 12 साल बाद निर्माता कंपनी एरोस ने इस फिल्म को फिर से सिनेमाघरों में उतारने का फैसला लिया है। लेकिन इस बार दर्शकों को एक नया क्लाइमेक्स देखने को मिलेगा, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार किया गया है।

फिल्म के डायरेक्टर ने जताई नाराजगी

ये घोषणा जैसे ही सामने आई, फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय ने नाराजगी जताई और इसे फिल्म के मूल स्वरूप के साथ हत्या जैसा बर्ताव बताया। उनका कहना है कि उन्हें इस बदलाव की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली।

कुंदन का अंत ही फिल्म की आत्मा था आनंद एल राय ने द इंडियन एक्सप्रेस के साथ इंटरव्यू में कहा, फिल्म का क्लाइमेक्स ही उसकी पहचान है। कुंदन का बलिदान और उसका दर्द ही दर्शकों को झकझोरता है। अगर उसे बदल दिया जाए, तो पूरी फिल्म का भाव ही बदल जाता है। उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि क्या सिर्फ हेप्पी एंडिंद ही दर्शकों को पसंद आती है? त्रासदी भी तो एक भाव है, जो लंबे समय तक असर छोड़ता है। आनंद एल राय ने साफ शब्दों में कहा कि वो अब इस एआई से बदले गए वर्जन से खुद को अलग करना चाहते हैं। उन्होंने प्रोडक्शन कंपनी एरोस इंटरनेशनल से अनुरोध किया है कि उनका नाम इस वर्जन से हटाया जाए, क्योंकि ये उनके मूल विचार और संवेदना के खिलाफ है।

बताया जा रहा है कि एरोस इंटरनेशनल ने फिल्म के इस नए वर्जन के राइट्स तमिलनाडु के एक डिस्ट्रीब्यूटर अपस्विंग एंटरटेनमेंट को बेच दिए हैं। आनंद एल राय का कहना है कि ये फैसला पूरी तरह से व्यापारिक मुनाफे को देखते हुए किया गया है, जिसमें भावनाओं की कोई अहमियत नहीं रखी गई। बता दें इस फिल्म को थिएटर्स में 1 अगस्त को रि-रिलीज किया जाएगा।

कौन हैं सैयारा फेम अनीत पड्डा?

काजोल के साथ भी कर चुकी हैं काम

फिल्म सैयारा के साथ इंडस्ट्री में दो नए चेहरों ने कदम रखा है- अहान पांडे और अनीत पड्डा। दोनों का डेब्यू इस वक्त काफी सुर्खियां बटोर रहा है। ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि आखिर ये दोनों हैं कौन? अहान पांडे तो अनन्या पांडे के कजन हैं यानी चंकी पांडे के भतीजे। लेकिन अनीत पड्डा के बारे में अगर आप अब तक नहीं जान पाए हैं, तो चलिए आपको बताते हैं।

कौन हैं अनीत पड्डा?

अनीत पड्डा का जन्म 14 अक्टूबर 2002 को पंजाब में हुआ था। वो एक छोटे शहर से आती हैं। अमृतसर के स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद अनीत ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में डिग्री हासिल की। हालांकि, उनका जुनून हमेशा अभिनय की तरफ ही था और उन्होंने मॉडलिंग के जरिए अपने करियर की शुरुआत की।

सैयारा से मेन लीड के तौर पर डेब्यू

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा अनीत पड्डा की बॉलीवुड में पहली बड़ी फिल्म है, जिसमें वो मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को अब तक पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसे यशराज फिल्म्स के बैनर तले शूट किया गया है। फिल्म की रिलीज से पहले ही अनीत और अहान की जोड़ी को लेकर बहुत उत्सुकता थी और अब जब फिल्म रिलीज हो गई है तो देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर सफल रहती है या नहीं।

अनीत पड्डा का फिल्मी करियर

अनीत ने 2022 में काजोल और विशाल जेठवा के साथ फिल्म सलाम वेंकी में अपनी शुरुआत की थी, जहां उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में भी काम किया, जहां उनका किरदार रूही आहूजा था। इन दोनों ही प्रोजेक्ट्स में अनीत का रोल तो ज्यादा नहीं था लेकिन उन्होंने अपना प्रभाव जरूर छोड़ दिया था। सैयारा के चर्चाओं में आने से पहले तक अनीत के इंस्टाग्राम पर करीब 37 हजार फॉलोअर्स थे। लेकिन अब जब फिल्म रिलीज हो गई है और दोनों ही कलाकारों को दर्शकों का प्यार भी मिल रहा है तो उनके वर्तमान में करीब 2.5 लाख फॉलोअर्स हैं। अनीत अक्सर अपने शूट और फिल्मों से जुड़े पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उनके कई बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज भी अब तक सोशल मीडिया पर पसंद किए जा चुके हैं।

गाना भी गाती हैं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा की रुचि सिर्फ अभिनय तक ही सीमित नहीं है। उन्हें संगीत का भी काफी शौक है और वो कई बार गाते हुए भी नजर आई हैं। इसके अलावा, अनीत ने कई प्रमुख ब्रांड्स के साथ विज्ञापनों में भी काम किया है।

सोनाक्षी को मिली करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग

निकिता रॉय का निर्देशन एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे और सोनाक्षी सिन्हा के भाई कुश एस सिन्हा ने किया है। यह बतौर निर्देशक कुश की पहली निर्देशित फिल्म है। 18 जुलाई को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय और कुश एस सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म निकिता रॉय का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है। पहले दिन आज शुक्रवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 23 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के हिसाब से लग रहा है कि यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास रास नहीं आई। पहले दिन 23 लाख रुपए की कमाई करने के साथ ही 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। इससे भी कम ओपनिंग 'डबल एक्स एल' को मिली थी, जिसने अपने पहले दिन सिर्फ 15 लाख रुपए की ही कमाई की थी।

गाने पुराने नहीं होते बल्कि दिल में बस जाते हैं

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक गाने पर डांस करती नजर आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस कर रही हैं। वीडियो में रुपाली ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं। फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। रुपाली के फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। तड़पोगे तड़पा लो गाना साल 1957 में रिलीज हुई फिल्म बरखा का है। इस गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने गाया है। वहीं गाने के बोल राजिंदर कृष्ण के हैं। यह तमिल फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था। इसमें नंदा, जगदीप, शुभा खोटे, आनंद कुमार, डेविड अब्राहम, अचला सचदेव, लीला चिटनिस और मोहन चोटी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के निर्देशक आर. कृष्णन और एस. पंजू थे। वहीं इसे एवीएम प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले रिलीज किया गया था।

पापा जैकी श्रॉफ के और करीब ले जाएगा छोरियां चली गांव शो

कृष्णा श्रॉफ जल्द ही एक रिएलिटी शो छोरियां चली गांव से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है। बातचीत में कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा लेने को लेकर सबसे ज्यादा खुश हैं।

जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वो तो सबसे ज्यादा एक्साइटेड हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अच्छी तरह समझ पाऊंगी। कृष्णा श्रॉफ ने बताया, मेरा भाई टाइगर श्रॉफ बार-बार मुझसे पूछते हैं, क्या तुम वाकई ये करना चाहती हो? क्योंकि वह जानते हैं कि मैं किस तरह की लाइफस्टाइल जीती हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मैं अपने भाई को इस शो से चौंका दूंगी। शो में मेरा परफॉर्मेंस देखने के बाद उन्हें मुझ पर गर्व महसूस होगा।

कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उन्हें छोरियां चली गांव शो करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें बहुत कुछ सीखने का मौका है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं इस अनुभव को पूरी तरह अपनाने जा रही हूं। यहां मैं ऐसी जरूरी बातें और जिंदगी के हुनर सीखूंगी, जिनका इस्तेमाल मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकूं। उन्होंने आगे कहा है कि उन्हें गांव के लोगों से ही नहीं, बल्कि शो की बाकी लड़कियों से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। ये सभी महिलाएं मजबूत और आत्मनिर्भर हैं, और उनकी जिंदगी से सीखने के लिए बहुत कुछ है। कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि इस शो में सबसे मुश्किल काम उनके लिए खाना बनाना होगा। उन्होंने कहा, खाना बनाना मेरे लिए एकदम नया है, मैंने कभी ऐसा किया नहीं है। जब शहर की लड़कियां ऐसे काम करने की कोशिश करेंगी जो उन्होंने कभी नहीं किए, यही चीज शो को मजेदार बनाएगी। मैं चाहती हूं कि लोग इसे देखकर हंसे और साथ ही कुछ सीखें भी। मुझे भरोसा है कि इस शो से सभी को कुछ न कुछ सीखने को जरूर मिलेगा। नया रियलिटी शो छोरियां चली गांव जी टीवी पर जल्द ही आने वाला है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को रोडीज फेम रणविजय सिंघा होस्ट करेंगे।

आज दर्शक टीवी, सिनेमा और ओटीटी पर बंट गए हैं

शब्बीर आहलूवालिया आजकल अपने नए शो को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि सेट पर उनकी और आशी सिंह की केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। वे एक अच्छे रिश्ते के लिए सकारात्मक सोच को ज़रूरी मानते हैं। शब्बीर पुराने शोज के रीमेक में भी काम करना चाहते हैं। कसौटी जिंदगी की और कुमकुम भाग्य में अपनी ऐक्टिंग से घर-घर में पॉप्युलर होने वाले शब्बीर आहलूवालिया इन दिनों अपने शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' को लेकर चर्चा में है।

आपके नए शो में दर्शकों को कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। सेट पर आपकी और कलाकार आशी सिंह (लीड ऐक्ट्रेस) की कैमिस्ट्री कैसी रहती है?

शब्बीर ने कहा, वहां हमारी केमिस्ट्री कमाल की होती है। हम हंसते-खेलते काम करते हैं। जब शूट शुरू होता है, तब हम युग और कैरी बनकर थोड़ा बहुत झगड़ लेते हैं लेकिन उसके बाद वापस मस्ती शुरू हो जाती है। मुझे लगता है कि अगर आपकी ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री अच्छी है तो वह ऑन स्क्रीन दिखती है और ज्यादा दिक्कत नहीं होती। क्योंकि आप एक ही ट्यून के साथ चल रहे हो कि स्क्रीन का यह मुद्दा है और ऐसे निकलकर आना चाहिए। कई बार हम डिस्कस भी नहीं करते और वह निकलकर आ जाता है। सेट की दोस्ती स्क्रीन पर बहुत मदद करती है।

आप क्या मानते हैं कि एक अच्छे रिलेशनशिप में क्या जरूरी है?

मैं यह मानता हूं कि एक अच्छे रिलेशनशिप के लिए एक पॉजिटिव माइंडसेट बहुत जरूरी है। जब आप एक रिलेशनशिप में नेगेटिव माइंडसेट के साथ जाओगे तो फिर सत्यानाश है। मेरा यह मानना है कि जोड़ी कैसी भी बन सकती है, चाहे वह एक जैसी सोच रखने वाली हो या फिर अलग रखने वाली। कपल के बीच में दोस्ती होना बहुत जरूरी है क्योंकि प्यार में ऊपर-नीचे होता रहता है, लेकिन दोस्ती है जो दोनों के बीच मायने रखती है, खास तौर पर आज के समय में। लेकिन एक-दूसरे से ज्यादा उम्मीदें नहीं होनी चाहिए। जब आप ज्यादा की उम्मीद करने लगते हो तो फिर चीज़ें अच्छी नहीं होती हैं। क्योंकि आप कुछ उम्मीद करते हो, वह आपको मिलता नहीं है। तो बहुत जरूरी है कि आप अपनी ज़िंदगी जिएं और अपने पार्टनर को उनकी ज़िंदगी उनके तरीके से जीने दें। यही तो लाइफ़ है।

स्क्रीन पर नए प्रयोग करने में डर होता है कि दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन आपको कॉन्फिडेंस था कि यह प्रयोग काम करेगा। तो क्या आपके दो दशक लंबे करियर की वजह से आपमें यह कॉन्फिडेंस आया?

मेरे ख्याल से अनुभव भी जरूरी है, साथ ही युवाओं का उत्साह भी जरूरी है। अनुभव प्रोजेक्ट चुनने में मदद करते हैं लेकिन नई पीढ़ी जैसे आशी हैं, वह उमंग ज़िंदा रखते हैं। जब अनुभव और उत्साह मिल जाते हैं तो प्रोडक्ट अच्छा ही निकलता है।

क्या आपको लगता है कि ओटीटी नया टीवी बनने की ओर है?

शब्बीर बोले, मेरे ख्याल से यह 8-10 साल से चल रहा है कि ओटीटी से टीवी पर प्रभाव पड़ेगा। न सिर्फ ओटीटी, बल्कि लोग अपना समय अलग-अलग जगह पर दे रहे हैं चाहे वह यूट्यूब हो या फिर रील्स में। मुझे लगता है कि सभी को धक्का लगा है क्योंकि आपकी व्यूअरशिप बंट चुकी है। मुझे नहीं लगता कि एक माध्यम दूसरे की जगह लेगा। यह निर्भर करता है कि आप किस तरह का कॉन्टेंट बना रहे हैं और उसे कैसे प्रस्तुत कर रहे हैं।

आप इतने लंबे समय से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो आप किसी ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहते हैं जो पुराने शो का रीमेक हो या पार्ट 2 हो?

जी, मुझे लगता है कि सर्कस दोबारा बने, लेकिन वह सर्कस बैकग्राउंड में न हो कर अलग सेटिंग में बने तो आज के समय में अच्छा करेगा। एक और शो ज़बान संभाल के भी अच्छा था। उस शो में आप पूरे हिंदुस्तान को एक ही क्लास में देख सकते हो। उससे बढ़िया क्या हो सकता है।

आप इस शो में एक एडवोकेट के रोल में हैं। तो क्या तैयारियां करनी पड़ीं?

शब्बीर अहलूवालिया ने कहा, एडवोकेट किस तरह चलता है और बात करता है, हम उसपर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। लॉ की डिग्री हासिल करने में तो चार साल लग जाते हैं, तो हम दो-तीन महीने की तैयारियों में क्या ही कर लेंगे? उसकी जगह हम सीन की जरूरत के हिसाब से एक केस को स्टडी कर लेते हैं। हम कोशिश करते हैं कि यह सब नैचुरल और रियलिस्टिक रहे। जो लोग यह शो देखेंगे, वे जानेंगे कि हम लोग इस शो को रियल दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in